

नम्बर	गण	प्रत्यय आत्मनः पदः	धातु	भूलक्ष	प्रत्यय प्रत्यय	धर्म
१३	भ्या०	प०	अचु	अच्	स०	पूजना, चलना।
१४	भु०	उ०	अचु	अच्	स०	विशेषण देना।
१५	भ्या०	प०	अज	अज	स०	चलना, पैकना।
१६	भु०	उ०	अजि	अज्	स०	नष्ट होना, प्रकार कर
१७	रु०	प०	अज्	अज्	स०	अलग होना, विकसित चलना, चलना।
१८	भ्या०	प०	अट	अट	स०	चलना।
१९	भ्या०	आ०	अट	अट	स०	नाचना, मारना।
२०	भु०	उ०	अट	अट	स०	अनादर करना।
२१	भ्या०	प०	अठ	अठ	स०	चलना।
२२	भ्या०	आ०	अठि	अठ	स०	चलना।
२३	भ्या०	प०	अड	अड	स०	उद्यम करना।
२४	सा०	प०	अड	अड	स०	पूरा करना, सम्पादन
२५	भ्या०	प०	अड	अड	स०	जोड़ना।
२६	भ्या०	प०	अण	अण	स०	योचना।

धातुपाठ

३

नम्बर	भाग	धातु	धातु	धातु	धातु	अर्थ
२३	दि०	धा०	धा०	धा०	धा०	गर्भ राखना।
२४	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	मनही रहना, बोधना।
२५	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बोधना।
२६	कं	धा०	धा०	धा०	धा०	निरोग होना।
२७	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	खाना।
२८	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बोधना।
२९	सु०	धा०	धा०	धा०	धा०	ग्रंथ होना।
३०	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	पनना, फेंकना।
३१	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	गर्भ धारी होना।
३२	दि०	धा०	धा०	धा०	धा०	धातु राखना।
३३	दि०	धा०	धा०	धा०	धा०	काम करना।
३४	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	पनना।
३५	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बोलना।
३६	भा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बलना।

धातुपाठ

नम्बरा	भाषा	परः लृटिः आत्मनेपदः परः लृटिः	धातु	परः लृटिः	परः लृटिः	परः लृटिः
६३	भा०	उ०	जप	जप	ज०	प्रलम्बं कृत्वा नृणां
६४	भा०	उ०	जम	जम	ज०	प्रलम्बं कृत्वा नृणां
६५	भा०	प०	जम्	जम्	ज०	होना।
६६	कं	प०	जमु	जम्	ज०	कटद्रोनां प्रलम्बं कृत्वा
६७	दि०	प०	जमु	जम्	स०	फेकना।
६८	भा०	भा०	जह	जह	स०	चलना।
६९	सा०	प०	जह	जह	स०	पृथक्करना समानकरण
७०	जु०	उ०	जहि	जह	ज०	नकारा होना नृणां प्रलम्बं
७१	भा०	भा०	जहि	जह	स०	चलना।
७२	भा०	प०	जम्	जम्	स०	पृथक्करना समानकरण
७३	भा०	प०	जा	जाह	ज०	बड़ा होना।
७४	भा०	प०	जाह	जाह	ज०	प्राप्ति होना।
७५	भा०	भा०	जाह	जाह	ज०	बैठना।

धात्वर्थाव

७

नम्बर	संज्ञा	पद-प्रयोग	धातु	प्रत्यय	सकृदर्थ	सार्थ
७६	ग्रा०	ग्रा०	ग्रा०	ग्रा०	ग्रा०	इच्छा करना।
७७	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
७८	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
७९	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८०	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८१	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८२	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८३	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८४	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८५	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८६	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८७	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८८	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
८९	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९०	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९१	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९२	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९३	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९४	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९५	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९६	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९७	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९८	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
९९	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।
१००	ग्रा०	ग्रा०	इ	इ	ग्रा०	चलना।

नम्बर	गण	परः शर्पण आलोनेपदपरसि परः उभयपदः	धातु	मूलरूप	सकर्मक सकर्मक	अर्थ
२२	आ०	आ०	इन्ध	इन्ध	अ०	प्रकाश होना।
२३	कं	प०	इधुध	इधुध	स०	तीर चनाना।
२४	आ०	प०	इवि	इव्	स०	दण्डकरना प्रमाप्ति
२५	उ०	प०	इन्	इल्	अ० स०	स्वप्न होना, भेकन
२६	उ०	उ०	इल	इल्	स०	पढ़ना।
२७	दि०	उ०	इलु	इश	अ०	नर होना।
२८	दि०	प०	इप्	इप्	स०	चलना।
२९	उ०	प०	इप्	इप्	स०	मन देखना, लल
३०	क्या०	प०	इप्	इप्	अ०	वारंवार होना।
३१	कं	प०	इवस	इवस	अ०	पढ़िताना।
३२	कं	प०	इरस	इरस	अ०	दुःख मनी करना।
३३	अ०	प०	ईव	ई	स०	चलना, कांति होना, कला सम्पादित करना।
३४	आ०	प०	ईव	ईव	स०	चलना।

धात्वणिव

६

नम्बरा	गण	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१०१	दि.	आ.	ई.ए.	ई	ए.	चनना।
१०२	आ.	आ.	ईना	ईज्	ए.	शुभाई करणा।
१०३	आ.	आ.	ईनि	ईज्	ए.	चलना।
१०४	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. फलना।
१०५	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरना।
१०६	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
१०७	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
१०८	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
१०९	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११०	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
१११	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११२	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११३	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११४	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११५	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११६	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११७	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११८	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
११९	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।
१२०	आ.	आ.	ईहु	ईहु	ए.	नारीप. चरणा।

धातुसंघ

नम्बरा	भाषा	धातु	अक्षर	सकर्मक	अकर्मक	अर्थ
११५	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	चटा होना।
११६	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	दरपना निरपना।
११७	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	बोलना।
११८	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	चलना।
११९	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	नित्य संगई करना।
१२०	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	बांधना समाप्रिकरना।
१२१	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	सीचना।
१२२	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	विनना।
१२३	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	विनना।
१२४	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	समाप्रिकरना।
१२५	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	बसना।
१२६	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	सुनायम होना।
१२७	आ.	आ.	आ.	आ.	आ.	होना।

संख्या	गण	धातु-प्रकार-प्रत्यय-प्रत्यय	धातु	प्रति	मानक-प्रकार	वार्थ
१२८	भ्या०	प०	उठ	उठ	स०	मनीष सेगारना।
१२९	भ्या०	प०	उठ्	उठ्	स०	बहुत होना।
१३०	रु०	प०	उठ्ठी	उठ्ठी	स०	तल होना।
१३१	रु०	प०	उठ्	उठ्	स०	पूर करना।
१३२	भ्या०	प०	उठ्	उठ्	स०	सुरत होना, ऐसना।
१३३	भ्या०	प०	उठ्	उठ्	स०	मारना।
१३४	रु०	उ०	उठ्ठिर	उठ्ठिर	स०	प्रकाश होना, रोना।
१३५	रु०	उ०	उठ्ठिर	उठ्ठिर	स०	मारना, धन हार करना।
१३६	भ्या०	उ०	उठ्ठिर	उठ्ठिर	स०	निरान करना।
१३७	भ्या०	प०	उठ्ठिर	उठ्ठिर	स०	सवास करना।
१३८	भ्या०	प०	उठ्	उठ्	स०	बलना।
१३९	भ्या०	प०	उल	उल	स०	दान देना।
१४०	भ्या०	प०	उप	उप	स०	हूकना, मारना।
१४१	भ्या०	उ०	उप	उप	स०	बिनना।

धातुशिव :-

[illegible]

नम्बर	गण	परः अर्थात् कालः न्येयः प्रस गदः उभयपक्षे	धातु	ननु ननु	मकर्म सकर्म	ः अर्थः
१३०	तु०	सा०	लो विज्ञो	विज्ञ	अ०	दरना, चिन्तना।
१३१	तु०	सा०	लोत्तरज्ञ	नन्	अ०	शरमाना।
१३२	तु०	उ०	लोत्तरज्ञ	लोत्तरज्ञ	अ०	उपरकूटना।
१३३	आ०	प०	लोष्ट	लोष्ट	अ०	दूरकरना
१३४	आ०	पा०	लोष्पायी	प्याय	अ०	ददना।
			क			
१३५	आ०	पा०	कक	कक	अ०	गह्वरदोना, अञ्जल
१३६	आ०	प०	कक्क	कक्क	अ०	हसना।
१३७	आ०	पा०	कफि	कफ	अ०	चलना।
१३८	आ०	प०	कख	कख	अ०	हसना।
१३९	आ०	प०	कखे	कख	अ०	एषना।
१४०	आ०	प०	कग	कग	अ०	कर्मकरना।
१४१	आ०	पा०	कच्	कच्	अ०	साधना, प्रकाश करना,
१४२	तु०	उ०	कचि	कचि	अ०	जन्मदी चलना।
						चिन्तना।

धातुर्ण

क्रमा	गण	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय
१	अ	अ	क	क	क	जीवना।
२	आ	आ	क	क	क	क
३	इ	इ	क	क	क	क
४	उ	उ	क	क	क	क
५	ए	ए	क	क	क	क
६	ओ	ओ	क	क	क	क
७	अ	अ	क	क	क	क
८	आ	आ	क	क	क	क
९	इ	इ	क	क	क	क
१०	उ	उ	क	क	क	क
११	ए	ए	क	क	क	क
१२	ओ	ओ	क	क	क	क
१३	अ	अ	क	क	क	क
१४	आ	आ	क	क	क	क
१५	इ	इ	क	क	क	क
१६	उ	उ	क	क	क	क
१७	ए	ए	क	क	क	क
१८	ओ	ओ	क	क	क	क
१९	अ	अ	क	क	क	क
२०	आ	आ	क	क	क	क
२१	इ	इ	क	क	क	क
२२	उ	उ	क	क	क	क
२३	ए	ए	क	क	क	क
२४	ओ	ओ	क	क	क	क
२५	अ	अ	क	क	क	क
२६	आ	आ	क	क	क	क
२७	इ	इ	क	क	क	क
२८	उ	उ	क	क	क	क
२९	ए	ए	क	क	क	क
३०	ओ	ओ	क	क	क	क

धात्वणव

१७

नम्बर	गण	पदार्थविनिर्देश पदार्थविनिर्देश	धातु	मन्त्र	संस्कृत संस्कृत	अर्थ
२५	कु.	उ.	कण	कण	सं.	खीखवन्दकरना।
२६	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	बलना।
२७	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	बोपना।
२८	कु.	उ.	कण	कण	सं.	यक जाना।
२९	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	भारना।
३०	उ.	उ.	कण	कण	सं.	वानशुरुष करना।
३१	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	घोड़ा कटना।
३२	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	भारना।
३३	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	भारना।
३४	कु.	उ.	कण	कण	सं.	खरीदना।
३५	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	भारना।
३६	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	भारना।
३७	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	खीलना।
३८	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	गिरफ्तार होना।
३९	भ्या.	प.	कण	कण	सं.	पक जाना।
४०	दि.	ग्या.	कण	कण	सं.	

नम्बरा	भाषा	पद. अर्थानि पद. अर्थानि पद. अर्थानि	धातु	मूलरूप	सकृच्चक्र सकृच्चक्र	अर्थ
११२	भ्वा०	आ०	कदि	कद्	अ०	छाती होना।
११०	भ्वा०	आ०	कदि	कद्	अ०	बलाना।
१११	भ्वा०	प०	कदि	कद्	अ०	रोना।
११२	भ्वा०	प०	कदि	कद्	अ०	रोना।
११३	भ्वा०	प०	कन	कन्	अ०	दोस्ती होना, चलना।
११४	भ्वा०	प०	कनी	कन्	अ०	कान्ति होना, चलना।
११५	भ्वा०	प०	कप	कप	अ०	चलना।
११६	भ्वा०	आ०	कप	कप	अ०	मेहरवाणी करना।
११७	भ्वा०	आ०	कपि	कप	अ०	चलना।
११८	भ्वा०	प०	कम्ब	कम्ब	अ०	चलना।
११९	भ्वा०	आ०	कर	कर	अ०	घरणा करना।
१२०	भ्वा०	आ०	कम्	कम्	अ०	इच्छा करना, कानि होना।
१२१	दि०	प०	कम्	कम्	अ०	पठिताना।
१२२	दि०	प०	कम्	कम्	अ०	परावना, चलना।

धात्वर्णव

१६

नम्बर	वाच	पदः प्रत्ययः संज्ञाः संज्ञाः संज्ञाः	धातु	प्रत्ययः	संज्ञाः प्रत्ययः संज्ञाः संज्ञाः	पर्य
२३३	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	दृशना।
२३४	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	नकलीकृ होना।
२३५	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	निदोषेड करना।
२३६	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	यक जाना।
२३७	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	सपशु होना।
२३८	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	ग्रस्त करना।
२३९	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	दृशनी करना।
२४०	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४१	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४२	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४३	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४४	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४५	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४६	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४७	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४८	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२४९	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।
२५०	आ०	प०	कर्क	कर्क	स०	पठन।

नम्बरा	भाषा	पद-प्रकार धात्वर्थ-प्रकार	धातु	प्रत्यय	सकर्मक अकर्मक	वार्त्त
२७१	भा०	प०	कीन	कीन	स०	बांधना।
२७२	भा०	प०	कु	क	स०	बोन्नना।
२७३	कु०	भा०	क	क	स०	कटोसे बोनना।
२७४	भा०	भा०	कुक	कुक	स०	लेलेना।
२७५	भा०	भा०	कुन्	क	स०	बोन्नना।
२७६	भा०	भा०	कुन्	कु	स०	बन्नना।
२७७	भा०	प०	कुच	कुच	स०	बांधना।
२७८	भा०	प०	कुच्च	कुच्च	स०	बोन्नना।
२७९	भा०	प०	कुच्च	कुच्च	स-अ	बोन्नना।
२८०	कु०	प०	कुच	कुच	अ-स	बोन्नना।
२८१	भा०	प०	कुच	कुच	स-अ	बोन्नना।
२८२	भा०	प०	कुज	कुज	स०	सूसना।
२८३	कु०	प०	कुट	कुट	अ०	कुटिलता करना।

नमरा	माला	पद-प्रयोग पुनर्विनिर्माण पद-उपपत्ति	धातु	प्रतिपद	संज्ञक-पद	वार्ध
२२५	उ०	उ०	उत्	उत्	स०	काटना।
२२६	उ०	उ०	उत्	उत्	स०	कुटना निन्दा काटना।
२२७	उ०	उ०	उत्	उत्	स०	कोप होना।
२२८	भा०	प०	कृति	कृत्	स०	कर होना।
२२९	भा०	प०	कृत्	कृत्	स०	करना।
२३०	उ०	प०	कृति	कृत्	स०	सपेचना।
२३१	भा०	प०	कृति	कृत्	स०	कट होना। धावरस पिना। सोटना।
२३२	उ०	प०	कृत्	कृत्	स०	छाटा होना।
२३३	रि०	भा०	कृत्	कृत्	स०	रोसा होना।
२३४	उ०	प०	कृत्	कृत्	स०	हसना।
२३५	भा०	भा०	कृति	कृत्	स०	पूटना।
२३६	उ०	उ०	कृति	कृत्	स०	बसाना।
२३७	भा०	प०	कृति	कृत्	स०	गुदाकट होना।
२३८	उ०	प०	कृत्	कृत्	स०	बाजना। सही। पकाना।

धातुशास्त्र

नम्बर	गण	पद. अर्थति आत्मन पद. परस्मै पद. उपपद	धातु	प्रत्यय	सकर्मक वा असकर्मक	अर्थ
३७८	भ्या०	प०	खज	सज	घ.स.	पूजनादिदे होना।
३७९	भ्या०	प०	खर्व	खर्व	अ.स.	चूना, ताम्र करना।
३८०	भ्या०	प०	खर्द	खर्द	स०	काटना, बोलना।
३८१	भ्या०	प०	खग	खन	घ.स.	जमझ करना, पकड़ा
३८२	क्या०	प०	खव	खव	आ०	करना, गिरना, डेरना,
३८३	भ्या०	प०	खरा	खश	स०	कोरि के निकलना।
३८४	भ्या०	प०	तप	तप	स०	लिखना।
३८५	भ्या०	प०	खा	खाद	ग०	मारना।
३८६	क्या०	प०	ख्या	ख्या	म०	खाना।
३८७	भ्या०	प०	खि	खिद	घ.स.	कढ़ना।
३८८	दि०	प०	खिद	खिद	अ.स.	हरना।
३८९	तु०	प०	खिद	खिद	स०	शरिब होना।
						भारना।

मन्त्र	भाषा	प्र. उपनि. प्र. उपनि. प्र. उपनि.	धातु	वि. वि.	प्र. उपनि. प्र. उपनि.	अर्थ
३६०	ह.	अ.	तिर	तिर	अ.	गरीब होना।
३६१	उ.	प.	तिन	तिन	उ.	कहादिना।
३६२	भा.	आ.	खु	खु	स.	घोषना।
३६३	भा.	प.	खन	खन	स.	चोरी करना।
३६४	उ.	प.	खड	खड	स.	छाना।
३६५	भा.	आ.	खडि	खडि	अ.	शरीर में विकार होना।
३६६	उ.	उ.	खडि	खडि	स.	टुकड़ा करना।
३६७	भा.	आ.	खुद	खुद	अ.	खिन्नना।
३६८	उ.	प.	खर	खर	स.	काटना।
३६९	उ.	उ.	खे	खे	स.	खाना।
३७०	अ. उ.	उ.	खेद	खेद	स.	खाना।
३७१	भा.	आ.	खेद	खेद	स.	नाबेदारी करना।

नम्बर	भाषा	पद-प्रयोग- सामर्थ्य-सहित- पद-उत्पत्ति-पद-	धातु	प्रत्यय	सकर्मक-वा- अकर्मक	अर्थ
४६२	प्रा.	प०	तेष्ट	तेष्ट	त०	चलना।
४६३	कं	प०	तेष्ठा	तेष्ठा	त०	सुरा होना।
४६४	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	ठहरना।
४६५	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४६६	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४६७	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४६८	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४६९	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७०	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७१	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७२	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७३	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७४	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७५	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७६	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७७	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७८	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४७९	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।
४८०	प्रा.	प०	स्ते	ते	त०	गाना।

मात्रा	गण	पदः धातुर्णव कालिन्धपदार्थः पदः धातुर्णव	धातु	पदः	पदः धातुर्णव कालिन्धपदार्थः	धर्म
४२३	हो.	७.	गम	गम	ग.	बोलना।
४२४	मा.	८.	गमि	गन्	ग.	बोलना।
४२५	मा.	९.	गम	गन्	ग.	छोचना।
४२६	मा.	१०.	गमि	गन्	ग.	गुहरेकाहोना।
४२७	हो.	११.	गम	गन्	ग.	गिनदिबटना।
४२८	मा.	१२.	गमि	गन्	ग.	गममनीबटना।
४२९	हो.	१३.	गम	गन्	ग.	गम्यबलना।
४३०	हो.	१४.	गम	गन्	ग.	रुमबोलना।
४३१	हो.	१५.	गम	गन्	ग.	बोलना।
४३२	मा.	१६.	गम	गन्	ग.	हमना।
४३३	हो.	१७.	गम	गन्	ग.	बहुमयलोनाहना।
४३४	मा.	१८.	गम	गन्	ग.	होनाहना।
४३५	हो.	१९.	गम	गन्	ग.	होनाहना।
४३६	हो.	२०.	गम	गन्	ग.	होनाहना।

क्र.सं.	धातु	धातु-प्रत्यय	धातु	धातु-प्रत्यय	धातु-प्रत्यय	धातु-प्रत्यय
१	क	क	क	क	क	क
२	ख	ख	ख	ख	ख	ख
३	ग	ग	ग	ग	ग	ग
४	घ	घ	घ	घ	घ	घ
५	ङ	ङ	ङ	ङ	ङ	ङ
६	च	च	च	च	च	च
७	छ	छ	छ	छ	छ	छ
८	ज	ज	ज	ज	ज	ज
९	झ	झ	झ	झ	झ	झ
१०	ञ	ञ	ञ	ञ	ञ	ञ
११	ट	ट	ट	ट	ट	ट
१२	ठ	ठ	ठ	ठ	ठ	ठ
१३	ड	ड	ड	ड	ड	ड
१४	ढ	ढ	ढ	ढ	ढ	ढ
१५	ण	ण	ण	ण	ण	ण
१६	त	त	त	त	त	त
१७	थ	थ	थ	थ	थ	थ
१८	द	द	द	द	द	द
१९	ध	ध	ध	ध	ध	ध
२०	न	न	न	न	न	न
२१	प	प	प	प	प	प
२२	फ	फ	फ	फ	फ	फ
२३	ब	ब	ब	ब	ब	ब
२४	भ	भ	भ	भ	भ	भ
२५	म	म	म	म	म	म

धात्वर्णव

३.

नम्बर	गंगा	सं. संधिनि प्राप्तनेकर नाम पद. उभयपद.	धानु	पुनः	सं. संधिनि प्राप्तनेकर नाम पद. उभयपद.	शर्ष
४४०	भा.	प.	शा	श	स.	मात्ना, प्रयाना, प्रसूना
४४१	वरा.	प.	शा	शा	स.	जानना, मान्द, मदेना
४४२	सु.	उ.	शा	शा	स.	नोदना, पठना
४४३	भा.	ग.	शाद्	श	स.	कना
४४४	उ. सु.	पा.	शात्र	शाद	स.	पठजाना
४४५	भा.	पा.	शाष्ट	शापु	स. स.	दूरगति यदन्त, जना
४४६	सु.	उ.	शाम	शम्	स.	सामने करना
४४७	भा.	पा.	शाद्	शाद	स.	पूने के गाना
४४८	सु.	प.	शु	शु	स.	पुण्य येदना
४४९	भा.	पा.	शुद्	शु	स.	पिरोलना
४५०	भा.	प.	शुद्ध, शुद्ध	शुद्ध, शुद्ध	स.	के. १० कला
४५१	सु.	प.	शुद्ध	शुद्ध	स.	रोलना
४५२	भा.	प.	शुद्ध	शुद्ध	स.	पिरोलना

संख्या	शब्द	संज्ञा	भाव	वर्ण	संज्ञा	अर्थ
४५३	सु.	उ.	गुठ	गुठ	स.	संपेदना।
४५४	सु.	प.	गुड	गुड	स.	वचाना।
४५५	सु.	उ.	गुटि	गुटि	स.	लोपेदनाप्रदानाभ्याम्।
४५६	सु.	उ.	गुया	गुया	स.	सामने करना।
४५७	भा.	शा.	गुद	गुद	स.	खेलना।
४५८	भा.	शा.	गुध	गुध	स.	खेलना।
४५९	दि.	प.	गुध	गुध	स.	लोपेदना।
४६०	क्या.	प.	गुध	गुध	स.	तृप्ताहोना।
४६१	दि.	प.	गुर्	गुर्	स.	कटोहोना।
४६२	भा.	शा.	गुर्	गुर्	स.	ठिपानाभिन्नाकरना।
४६३	सु.	उ.	गुप्	गुप्	स.	पाहना।
४६४	भा.	प.	गुप्	गुप्	स.	वचाना।
४६५	सु.	प.	गुफ	गुफ	स.	सूदना।
४६६	सु.	उ.	गुफ	गुफ	स.	घरने रहना।

नम्बर	गण	वि. प्र. वि. वि.	भा	वि.	वि.	नाम
४६७	भा.	भा.	गुरे	गुरे	रा.	दुधमहोना।
४६८	भा.	क	गुरी	गुरी	रा.	दुधमहोना।
४६९	गु.	भा.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७०	गु.	रा.	गुरी	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७१	भा.	ग.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७२	वि.	भा.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७३	गु.	रा.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७४	भा.	ग.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७५	भा.	ग.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७६	वि.	ग.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७७	गु.	ग.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।
४७८	भा.	ग.	गुर	गुर	रा.	दुधमहोना।

धात्वर्थ

नम्बर	गण	पर अर्थ	धात्वर्थ	धात्वर्थ	धात्वर्थ	धात्वर्थ
५१०	आ०	प०	चपु	चपु	स०	कपडा रंगना।
५११	आ०	प०	चव	चव	म०	नटना।
५१२	आ०	प०	चु	चु	अ०	धुनि होना, धुनाउ, निकालना।
५१३	आ०	प०	चक	चक	अ०	धरायना, घुमेमा, धर
५१४	आ०	प०	चक	चक	अ०	धपाजाना।
५१५	आ०	प०	चक	चक	अ०	कटोरोना।
५१६	आ०	प०	चकि	चक	अ०	विस्मय होना, स्तब्ध होना।
५१७	आ०	प०	चप	चप	स०	मारना।
५१८	आ०	प०	चदि	चदि	स०	सफा कट्टना।
५१९	आ०	प०	चर	चर	स०	निद्रा, निद्रा, सोना, मास्ना।
५२०	आ०	प०	चरि	चरि	अ०	सफा होना।
५२१	आ०	प०	चण	चण	स०	दिना, पानना, कनरा, मास्य
५२२	आ०	प०	चने	चने	स०	म्यालु करना।
५२३	आ०	प०	चदि	चदि	अ०	रंकाग होना।

नम्बरा	गण	पर-कर्म-सिद्धि-प्राप्तये-उप-पन्न-	धातु	सिद्धि	मकर्म-कृत-सिद्धि	अर्थ
५४१	धा०	उ०	चर	चस्	स०	खाना करना।
५४२	तु०	उ०	चय	चथ	ग०	करवाना।
५४३	तु०	प०	चन	चन्	ग०	पानना।
५४४	भा०	प०	चन	चन्	ग०	माना निश्चय करना।
५४५	भा०	प०	चप	चप्	अ०	घुपहोना, कुत्सन कुहन।
५४६	तु०	उ०	चप	चप्	अ०	खनकाना, पोखा देना, बरिना, भाषा देना।
५४७	तु०	उ०	चपि	चप्	स०	पलना।
५४८	भा०	प०	चमु	चम	ग०	खाना।
५४९	भा०	प०	चप	चप्	ग०	पलना।
५५०	तु०	उ०	चर्व	चर्व	ग०	पढ़ना।
५५१	भा०	प०	चर्व	चर्व	ग०	पढ़ना, यात्रा, शोधना।
५५२	तु०	उ०	चर्व	चर्व	ग०	दम्भ सिराना।
५५३	भा०	प०	चर्व	चर्व	ग०	चलना, खाना।
५५४	भा०	प०	चर	चर	ग०	चलना, खाना।
५५५	भा०	प०	चन	चन्	ग०	खाना, चलना।

नम्बर	गण	परस्मैपद आत्मनेपद परस्मैपद	धातु	मूलरूप	सकृन्मक लृट्मक	श्रयं
१५६	लृ०	कृ०	चल्	चल्	लृ०	चिनहाना।
१५७	चु०	उ०	चस्	चल्	लृ० स०	पदना, अयाजना।
१५८	लृ०	उ०	चस्	चस्	लृ० स०	खाना।
१५९	लृ०	प०	चप्	चप्	लृ० स०	भारना।
१६०	लृ०	प०	चकास्	चकास्	लृ० स०	प्रकाराहाना।
१६१	लृ०	प०	चह्	चह्	लृ० स०	वदकृद्धाना, नदीकृतम्।
१६२	चु०	उ०	चह्	चह्	लृ० स०	दरिद्राकृपास्तृणानां कृत्वा वदकृद्धाना।
१६३	लृ०	लृ०	चक्ष्	चक्ष्	लृ० स०	ककरना, कोड़ना।
१६४	लृ०	उ०	चा	चा	लृ० स०	शूनना, देवना।
१६५	लृ०	उ०	चि	चि	लृ० स०	भारना, जमप्रकरना।
१६६	चु०	उ०	चिप्	चि	लृ० स०	जमप्रकरना।
१६७	लृ०	पु०	चिट्	चिट्	लृ० स०	पद्याना, भेनना।

धात्वणिव

४५३

संख्या	भाषा	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
१६०	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	दृष्टि पार होना, याद करना।
१६१	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	सनेत होना।
१६२	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	विनमाती घनाना।
१६३	भा.	उ	चित	चित्	प्र.स.	याद करना।
१६४	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	दुल्म पढ़ना।
१६५	भा.	उ	चित	चित्	प्र.स.	टिकना।
१६६	भा.	उ	चित	चित्	प्र.स.	मनकी बात कहना।
१६७	भा.	उ	चित	चित्	प्र.स.	लेनेना, छानना।
१६८	भा.	उ	चित	चित्	प्र.स.	कहना।
१६९	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	सापेक करना।
१७०	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	कहना, प्रकाश होना।
१७१	सु.	उ	चित	चित्	प्र.स.	शमरवाना, हसना।

नम्बर	भाषा	परिचय (संस्कृत-प्रत्यय-पर)	धातु	लृट्	लृट्-प्रत्यय-पर	अर्थ
६००	बु.	उ.	चूर्ण	चूर्ण	लृ.	पदना, मत्तना।
६०१	बु.	प.	मूर्ण	मूर्ण	लृ.	छेदा, होना।
६०२	दि.	पा.	चूरी	चूर	स.	हंकना, जन्नाना।
६०३	भा.	फ.	चूत	चूत	स.	पीना।
६०४	बु.	उ.	चू	चूत	लृ.	प्रकाश होना।
६०५	बु.	प.	चूनी	चूत	स.	मृत्तमा, तवात् करना।
६०६	बु.	उ.	चू	चूत	लृ.	प्रकाश होना।
६०७	भा.	पा.	चेर	चेर	लृ.	सुख, सुख होना, चेष्टा
६०८	भा.	फ.	चेष्ट	चेष्ट	स.	होना।
६०९	भा.	प.	चञ्चु	चञ्चु	स.	चञ्चना, मुन्नाय मु होना।
६१०	भा.	प.	चञ्च	चञ्च	स.	चञ्चना।
६११	भा.	प.	चञ्च	चञ्च	स.	चलना।

धान्यार्णव

४८

वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष
१८८५	१८८६	१८८७	१८८८	१८८९	१८९०
१८९१	१८९२	१८९३	१८९४	१८९५	१८९६
१८९७	१८९८	१८९९	१९००	१९०१	१९०२
१९०३	१९०४	१९०५	१९०६	१९०७	१९०८
१९०९	१९१०	१९११	१९१२	१९१३	१९१४
१९१५	१९१६	१९१७	१९१८	१९१९	१९२०
१९२१	१९२२	१९२३	१९२४	१९२५	१९२६
१९२७	१९२८	१९२९	१९३०	१९३१	१९३२
१९३३	१९३४	१९३५	१९३६	१९३७	१९३८
१९३९	१९४०	१९४१	१९४२	१९४३	१९४४
१९४५	१९४६	१९४७	१९४८	१९४९	१९५०
१९५१	१९५२	१९५३	१९५४	१९५५	१९५६
१९५७	१९५८	१९५९	१९६०	१९६१	१९६२
१९६३	१९६४	१९६५	१९६६	१९६७	१९६८
१९६९	१९७०	१९७१	१९७२	१९७३	१९७४
१९७५	१९७६	१९७७	१९७८	१९७९	१९८०
१९८१	१९८२	१९८३	१९८४	१९८५	१९८६
१९८७	१९८८	१९८९	१९९०	१९९१	१९९२
१९९३	१९९४	१९९५	१९९६	१९९७	१९९८
१९९९	२०००	२००१	२००२	२००३	२००४
२००५	२००६	२००७	२००८	२००९	२०१०
२०११	२०१२	२०१३	२०१४	२०१५	२०१६
२०१७	२०१८	२०१९	२०२०	२०२१	२०२२
२०२३	२०२४	२०२५	२०२६	२०२७	२०२८
२०२९	२०३०	२०३१	२०३२	२०३३	२०३४
२०३५	२०३६	२०३७	२०३८	२०३९	२०४०
२०४१	२०४२	२०४३	२०४४	२०४५	२०४६
२०४७	२०४८	२०४९	२०५०	२०५१	२०५२
२०५३	२०५४	२०५५	२०५६	२०५७	२०५८
२०५९	२०६०	२०६१	२०६२	२०६३	२०६४
२०६५	२०६६	२०६७	२०६८	२०६९	२०७०
२०७१	२०७२	२०७३	२०७४	२०७५	२०७६
२०७७	२०७८	२०७९	२०८०	२०८१	२०८२
२०८३	२०८४	२०८५	२०८६	२०८७	२०८८
२०८९	२०९०	२०९१	२०९२	२०९३	२०९४
२०९५	२०९६	२०९७	२०९८	२०९९	२१००

नम्बर	गण	प्र. अर्थोत्तर साधनप्रश्नपत्र पर. प्रश्नपत्र.	धनु	मूलस्थ	मकरांगक वा आकांगक	अर्थ
६३०	तु.	फ	कुप	कु	म.	गुदना।
६३१	भा.	फ	कुम	कुम	म.	डरना, कुभित होना।
६३२	तु.	फ.	कु	कुर	म.	काटना, नेप करना।
६३३	तु.	उ.	कु	कु	अ.	प्रकाश होना।
६३४	रु.	उ.	कु	कु	अ.म.	गोना, प्रकाश होना, प्रकाश वर्धन करना।
६३५	तु.	उ.	कु	कु	अ.म.	प्रकाश होना, प्रकाश वर्धन।
६३६	तु.	उ.	कु	कु	म.	दो टुकड़े करना।
६३७	रि.	प.	कु	कु	म.	काटना।
६३८	भा.	प.	कु	कु	म.	कुद करना।
६३९	भा.	प.	कु	कु	म.	कुद करना।

संख्या	गण	परः अर्थान्तरं स्वात्मनेपदप्रत्यये	परः उपपदप्रत्यये	धातु	मूलरूपः	सकर्मकः वा अकर्मकः	अर्थः
६१४	सु०	प०		जर्	जर्	स०	कहना, निन्दा करना।
६१५	आ०	प०		जर्त्स	जर्त्स	स०	टारवाना, कहना, गलन।
६१६	आ०	प०		ज्वर	ज्वर	अ०	ऐरा होना, बीमार होना।
६१७	सु०	उ०		जत्	जत्	स०	मोकूक करना, खाना।
६१८	आ०	प०		जन्	जन्	स०	मारना, पीड़ा करना।
६१९	आ०	प०		ज्वन्	ज्वन्	अ०	प्रकाश होना।
६२०	आ०	प०		जप	जप	स०	मारना।
६२१	सु०	उ०		जसि	जस	स०	मारना।
६२२	सु०	अ०		जसु	जस	स०	मारना, खाना, खनद।
६२३	दि०	प०		जसु	जस	स०	कहना।
६२४	स०	प०		जह	जह	अ०	खाना, हंसना।
६२५	आ०	प०		जा	जा	स०	बूढ़ा होना।
६२६	स०	प०		जान	जान	अ०	जानना।

नम्बर	वाक्य	अर्थ	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
६०	आ	प	जि	नि	रा-त	जीतना, जानादा पटना।
६१	आ	प	वि	नि	रा-	जानादा पटना।
६२	आ	प	निवि	निव	रा-ग	युद्धादीनां तत्त्वकल्या
६३	आ	प	निमि	निम	रा-	खाना।
६४	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
६५	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
६६	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
६७	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
६८	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
६९	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७०	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७१	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७२	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७३	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७४	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७५	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७६	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७७	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७८	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
७९	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।
८०	आ	प	जि	नि	रा-	खाना।

नम्बर	गण	पद-अर्थात् जलमनेपद-परि पद-उभयपद	धातु	ह्रस्व	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
७२१	आ०	आ०	दीक	दीक	स०	चलना।
७२२	आ०	उ०	दुयाच	याच	स०	सवाल करना।
७२३	आ०	अ०	दुभान्	भान	अ०	प्रकाश होना।
७२४	तु०	प०	दुमरनो	मरन	अ०	खुद होना।
७२५	आ०	प०	दुणादि	णाद	अ०	बढ़ना।
७२६	स्वा	प०	दुदु	दु	अ०	पीड़ा होना कूट होना।
७२७	आ०	आ०	दुवेप	वेप	अ०	कांपना।
७२८	आ०	प०	दुवम	वम	स०	हँसना।
७२९	आ०	प०	दुशोस्फर्ज	स्फर्ज	अ०	बदल को प्रकाश होना।
७३०	आ०	उ०	दुशोधि	धि	अ०	चलना बढ़ना।
७३१	आ०	आ०	दुभाश्	भाश्	अ०	प्रकाश होना।
७३२	आ०	आ०	हृद्	हृद्	स०	चिन्तना।

नम्यर	गाथा	पदः शान्तिप्रदाने पदः लभ्यते	धनु	मन्त्र	मन्त्रार्थः	शर्व
७३४	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	शान्तिप्रदाने
७३५	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	पञ्चमहाभूतप्रदाने
७३६	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७३७	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७३८	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७३९	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७४०	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७४१	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७४२	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७४३	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७४४	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र
७४५	ॐ	ॐ	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र	मन्त्र

नम्बर	गण	पद-संयोजित शालमेनेपरपर पद-उभयपद	धातु	सूत्र	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
७४६	स्वा. दि०	आ० सा०	डीङ् डुङ्	डी	अ०	आकाशने उड़ना।
७४७	स्वा०	आ०	डुङ्	डु	स०	बोलना।
७४८	डु	आ०	डुभञ्	भृ	स०	ऊपर राखना, ऊपर लटकना।
७४९	डु	उ०	डुयञ्	दा	स०	दान देना, पुष्प फलना।
७५०	डु	उ०	डुधान्	धा	स०	ऊपर राखना, मनुष्य बनना।
७५१	सा०	उ०	डुमिञ्	मि	स०	फेंकना।
७५२	न०	उ०	डुहञ्	हृ	स०	काम करना।
७५३	का०	उ०	डुकीञ्	की	स०	द्वय को बँचाना।
७५४	मा०	आ०	डुनभण्	नभ	स०	बसु चीगवे गिलना।
७५५	आ०	उ०	डुपचण्	पच	स०	खाना पकाना।
७५६	आ०	प०	डुण् डोह	डुण् डोह	स०	बूढ़ना।
७५७	आ०	आ०	डोह	डोह	ग०	पनना।

धात्वर्णव

६०

संख्या	गण	पदः लघोः सामान्यः परस्मै सदः कर्मण्यतः	धातु	प्रथमः	सकर्मकः अकर्मकः	अर्थः
७५८	आ०	फ	रा	नर	वा०	आवाज होना।
७५९	आ०	प०	णद	नठ	वा० स०	नाचना, माता, नीतिवरना।
७६०	बु०	उ०	णट	नद	स०	कहना।
७६१	आ०	उ०	णद्	नभ	स०	कहना।
७६२	दि०	फ०	णम	मभ	स०	मारना।
७६३	आ०	प०	णभ	नम	स०	शिरसुकाना, दोलना।
७६४	आ०	प०	णम	नय	स०	चलना, ध्रुवाना।
७६५	आ०	प०	णव	मर्द	वा०	शक होना।
७६६	आ०	प०	णर्द	णउ	वा०	खुरशूद, श्वाना।
७६७	आ०	प०	णन	णल	स०	दांधना।
७६८	दि०	प०	णत्त	मश	वा०	मारना।
७६९	आ०	प०	णश	णप	स०	चलना।
७७०	आ०	प०	णप	णप्	स०	चलना।

नम्बर	गण	पद-धर्मात् आत्मनोपदेशस्य पद-उभयपद	धातु	मूलरूप	सकर्मकवा अकर्मक	अर्थ
७८३	आ०	आ०	णप त	णप	स०	चलना।
७८४	आ०	प०	तक	तक	अ०	हसना।
७८५	आ०	आ०	अक	अक	स०	चलना।
७८६	आ०	प०	नकि	तक	अ०	हसना।
७८७	आ०	आ०	अकि	अक	स०	चलना।
७८८	आ०	प०	अलि	नस	ए०	वनना।
७८९	आ०	प०	नगि	नग	स०	चलना।
७९०	आ०	प०	अगि	अग	स०	चलना।
७९१	आ०	प०	नगि	नग	स०	वनना, कृपाना।
७९२	गु०	प०	अव	त्व	स०	छाना, गण करना।
७९३	आ०	प०	गच्छ	गच्छ	स०	परा करना।
७९४	आ०	फ०	अग	अग	स०	छोड़ना।
७९५	आ० गु०	प० उ०	तट	तट	अ०	कटना।

धातुणीव

६५

नम्बर	गण	परः प्रथितः आत्मनेपदः परः प्रथितः	धातु	मूलरूप	गुणकर्मक प्रकर्मक	अर्थ
८०६	जु० झा०	उ० प०	नड	नड	प्र० स०	मात्स्यप्रकाशहोना, वृद्धना।
८०७	झा० झा०	आ०	नडि	नड	प्र० स०	मारना।
८०८	कं०	प०	नरण	नरण	रा०	कृत्वा।
८०९	जु०	उ०	नवि	नव	म०	ऊपर रहनेना।
८१०	झा०	प०	नदि	नद	च०	खुद खूत होना।
८११	जु० झा०	उ०	ननु	नन	स०	बढ़ाना, विस्तार करना, मकूनत करना, विस्तार करना, मारना।
८१२	जु०	प०	नप०	नप	अ०	धृष्ट होना, पछताना।
८१३	दि०	आ०	नप	नप	अ०	बहुत भाषे होना।
८१४	जु०	उ०	नप	नप	रा०	पूँकना।
८१५	दि०	प०	नगु	नग	स०	इच्छा करना।
८१६	झा०	आ०	नप	नप	स०	चलना, प्रचलना।
८१७	जु०	उ०	नर्क	नर्क	अ०	प्रकाश होना, ठूँकना।
८१८	जु०	आ०	नर्न	नर्न	स०	डाढ़ाना।

[illegible]

धान्यगाव

६७

नम्वर	राण	निमि सन्निहितमि सन्निहितमि	धनु	निमि	निमि सन्निहितमि सन्निहितमि	शर्य
८३३	आ०	आ०	निष्ठ	निष्ठ	स०	चनना।
८३३	रा०	प०	निग	निग	स०	गतराहोनदभारना।
८३४	रा०	प०	निघ	निघ	स०	भारना।
८३५	आ०	आ०	निन	निन	स०	नीदणकरनागुंरिहोना
८३६	आ०	उ०	निदि	निदि	स०	गतराहोस्तनदेहहानना।
८३७	आ०	आ०	निपू	निपू	स०	टपकना।
८३८	दि०	प०	निम	निम	स०	गरहोनागुंरिहोना,
८३९	आ०	प०	निन	निन	स०	निगना।
८४०	आ०	उ०	निन	निन	स०	दीलीकरना।
८४१	आ०	प०	निन	निन	स०	दस्तना।
८४२	आ०	आ०	निन	निन	स०	चनना।
८४३	आ०	उ०	निपू	निपू	स०	गरमानागुंरिहोना।
८४४	सं०	प०	निपू	निपू	स०	प्रकाशहोना
८४५	सं०	प०	निपू	निपू	स०	नदेखपरना।

नम्बर	भाषा	पद-व्यक्ति आत्मनिपदात्म संज्ञापपदः	धान	मूलरूप	प्राकृतिक संज्ञात्मक	अर्थ
८७२	भा०	प०	तुक	तुक	म०	मारना।
८७३	तु०	प०	तुक	तुक	म०	मारना।
८७४	तु०	फ०	तुंफ	तुंफ	म०	मारना।
८७५	तु०	उ०	तुवि	तुव	श०	१०.५७.००
८७६	भा० दि०	शा०	तुभ	तुभ	स०	मारना।
८७७	भा०	प०	तुयी	तुर्	म०	मारना।
८७८	तु०	प०	तुह	तुर्	स०	जलदी चलना।
८७९	तु०	उ०	तुल	तुल	स०	तोलना।
८८०	दि०	प०	तुप्	तुप्	श०	प्रकाशमानादिक
८८१	भा०	फ०	तुस	तुस	स०	दोलना।
८८२	भा०	प०	तुह	तुह	स०	मारना।
८८३	भा०	प०	तुदि	तुह	स०	सनातकरना।
८८४	भा०	प०	तुह	तुह	स०	धानादिकरना।

[illegible]

नम्बर	भाषा	प्र. लुपति शास्त्रनिपक्षरसि पदः उभयपद	धातु	प्र. लुपति	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
६२६	भ्या०	प०	दस	दस	स०	चलना।
६२७	दि०	प०	दस	दस	अ०	शान्ति होना।
६२८	भ्या०	पा०	दय	दय	स०	देना, चलना, बचाना।
६२९	भ्या०	प०	दल	दल	स०	मारना, लेनेना।
६३०	भ्या०	प०	दल	दल	स०	अंग बांटना।
६३१	भ्या०	पु०	दस	दस	स०	तोड़ना, फोड़ना।
६३२	भ्या०	पु०	दशि	दश	स०	कटना, तोड़ना, कटाना।
६३३	भ्या०	पु०	दशि	दस	स०	कटना, शपथना, शपथ होना।
६३४	दि०	प०	दसु	दस	स०	नागद्वाना।
६३५	भ्या०	प०	दह	दह	स०	फेंकना, जाला, प्रकाश होना।
६३६	भ्या०	प०	दश	दक्ष	स०	गपना, प्रसन्नता, बड़ना।
६३७	भ्या०	प०	दा	दा	स०	निराकरना।
६३८	भ्या०	प०	दाण	दात	अ०	मृत्तग ब्रह्म होना।
६३९	भ्या०	पा०	दाण	दाव	अ०	पतनयुत होना।

धान्यर्णव

७५

नम्बरा	माला	पदः	पदः	धनु	मूलरूप	पुनरुक्तिः	पुनरुक्तिः	शर्थ
२४०	आ०	प०	आ०	दाड	दाड	स०	शुद्धः कांवाटना।	
२४१	आ०	प०	आ०	दाण	दाण	स०	दानदेना।	
२४२	आ०	उ०	आ०	दान	दान	स०	दोदकदेना मुन्यायन	
२४३	आ०	प०	आ०	दाण	दाण	स०	दानो।	
२४४	आ०	आ०	आ०	दाण	दाण	स०	दायुक्तं करना।	
२४५	आ०	उ०	आ०	दान	दान	स०	दानदेना।	
२४६	आ०	उ०	आ०	दाण	दाण	स०	दानदेना पुनः करना।	
२४७	आ०	प०	आ०	दाण	दाण	स०	मारना।	
२४८	आ०	उ०	आ०	दाण	दाण	स०	दानदेना।	
२४९	आ०	आ०	आ०	दाड	दाड	श०	जागना।	
२५०	आ०	आ०	आ०	दाह	दाह	श०	जागना।	
२५१	आ०	प०	आ०	दाक्षि	दाक्षि	श०	जागना।	
२५२	आ०	प०	आ०	दि	दि	श०	जागना।	
२५३	आ०	उ०	आ०	दि	दि	श०	जागना।	
२५४	आ०	प०	आ०	दि	दि	श०	जागना।	

नम्बर	गण	पदः अथवा सामान्यपदः पदमि पदः अथवा पदमि	शानु	मूलरूप	संस्कृतमार्ग शानुमार्ग	शब्द
६६६	का.	उ.	हृ	हृ	सं.	माणा।
६६७	म्हा.	प.	हृ	हृ	अ.	डरना।
६६८	का.	प.	हृ	हृ	सं.	माणा।
६६९	स्या.	प.	हृ	हृ	सं.	माणा।
६७०	तु.	आ.	हृ	हृ	सं.	आदर दाना।
६७१	हि.	प.	हृ	हृ	सं.	मग्न होना अर्थात् नष्ट होना।
६७२	तु.	उ.	हृ	हृ	अ.	प्रकाश होना डरना।
६७३	तु.	उ.	हृ	हृ	सं.	एशिदनना।
६७४	तु.	प.	हृ	हृ	अ.	पीड़ा होना।
६७५	तु.	उ.	हृ	हृ	सं.	सिक्करी बनना।
६७६	तु.	प.	हृ	हृ	सं.	शांठना डरना।
६७७	म्हा.	प.	हृ	हृ	मं.	देखना।
६७८	म्हा.	प.	हृ	हृ	अ.	दहना।
६७९	म्हा.	प.	हृ	हृ	अ.	पहना।

धातुपीठ

७६

क्रमांक	धातु	पदः, कर्तृवाचकः पदः, कर्तृवाचकः पदः, कर्तृवाचकः	वि	मूलक	मन्त्राधिकारः अवर्तकः	धर्म
६२६	अ०	अ०	ह	ह	स० मोड़ना।	
६२७	अ०	अ०	ह	ह	अ० छटना।	
६२८	अ०	अ०	ह	ह	अ० परदा करना।	
६२९	अ०	अ०	देक	देक	अ० स० विमनाइड़ना, फंलाइड़ना।	
६३०	अ०	अ०	दे	दे	स० पानना।	
६३१	अ०	अ०	दे	दे	अ० येना, खेलना।	
६३२	अ०	अ०	दे	दे	अ० स० प्रहोना, एगारहोना।	
६३३	अ०	अ०	दे	दे	अ० स० अनावर करना।	
६३४	अ०	अ०	दे	दे	अ० स० हुंड़ना।	
६३५	अ०	अ०	दे	दे	अ० स० द्रोपुक्छे करना।	

सं०	श्लो०	पद०	पद०	पद०	पद०	पद०
८८५	गु०	उ०	दं	दं	म०	तद्वत्कृत्या।
८८६	ग्या०	प०	दंभु	दंभ	म०	लूनकरता।
८८७	ग्या०	प०	दंश	दंश	म०	काटना।
८८८	गु०	उ०	ध	ध	म०	नाशकरता।
८८९	ग्या०	प०	धन	धन	म०	ननना।
८९०	ग्या०	प०	धत्रि	धत्र	म०	कटना।
८९१	ग्या०	ग्या०	ध्र	ध्र	म०	धनाधाटना।
८९२	ग्या०	प०	धरा	धरा	म०	योजनना।
८९३	ग्या०	प०	धरा	धरा	म०	योजनना।
८९४	ग्या०	प०	धरा	धरा	म०	ध्यानकरना।
८९५	गु०	उ०	धधू	धध	ग्या०	नाशहोना।
९००	ग्या०	प०	धन	धन	म०	विगहोना, नन्दहोना।
९०१	ग्या०	प०	धन	धन	म०	अचबरोना।
९०२	ग्या०	प०	धन	धन	म०	पालना।

नम्बर	गण	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
१००३	स्वा०	प०	धवि	धव	स०	चलना।
१००३	स्वा०	प०	धम	धम	प०	पोलना।
१००४	स्वा०	प०	धस	धस	स०	पिनना।
१००५	स्वा०	प०	धाक्षि	धाक्ष	स०	दृष्ट्वाकरना।
१००६	स्वा०	प०	धाक्षि	धाक्ष	स०	प्रशस्तिनगहोपपन्नना।
			धा			
१००७	स्वा०	प०	धारह	धारह	स०	सखनाप्रद्वनहोना।
१००८	स्वा०	उ०	धावु	धाव	स०	चनना, छुट्टहोना।
१००९	स्वा०	प०	ध्या	ध्या	स०	बोखना, जाग फूंकना।
१०१०	स्वा०	प०	धाक्षि	धाक्ष	स०	प्रशस्तिनगहोपपन्नना।
१०११	+	+	धाक्षि	धाक्ष	स०	अभिवापकरना, श्रवणकरना।
			धि			
१०१२	तु०	प०	धि	धि	स०	ऊपर रखना।
१०१३	स्वा०	प०	धिर	धिर	स०	चलना।

नम्बर	शरा	पद-पर्याय अभिप्रेत-पर्याय पद-अभिव्यक्ति	शत्रु	गुण-विषय	प्रकार-विषय	अर्थ
१०१३	आ०	प०	गिनि	गिनि	अ०	सुगन्धना।
१०१४	कु०	प०	गिप	गिप	अ०	सोन्नन-वेग-होना।
१०१६	आ०	आ०	गिदा	गिदा	अ०	प्रकाश-होना-दा-होना जीत-ग-र-ना।
१०१७	दि०	आ०	गी	गी	स०	ऊपर-रखना।
१०१८	आ०	प०	धु	धु	अ०	सुड़ा-होना।
१०१९	आ०	प०	धुन	धुन	स०	चन्नना।
१०२०	स्वा०	उ०	धुज	धुज	स०	कंपाना।
१०२१	आ०	प०	धुवी	धुवी	स०	मारना।
१०२२	आ०	आ०	धुदा	धुदा	अ०	प्रकाश-होना-दा-होना जीव-धारी-होना।
१०२३	कु०	प०	धू	धू	स०	कंपाना, चन्नना।
१०२४	आ०	उ०	धूज	धूज	स०	कंपाना।

धान्यशेष

८३

मन्त्र	गण	मन्त्रार्थ	धनु	मन्त्र	मन्त्रार्थ	धनु
१०१	अं	अं	धुप	धुप	अं	शोकसंतापहोना।
१०२	इं	इं	धुस	धुस	अं	खूबछरवहोना।
१०३	उं	उं	धु	धु	अं	सींचना, गिरना।
१०४	एं	एं	धु	धु	अं	कुटिलता करना।
१०५	ऐं	ऐं	धु	धु	अं	विगाडना, अपराध करना।
१०६	औं	औं	धु	धु	अं	अपराध करना।
१०७	अं	अं	धु	धु	अं	चलना।
१०८	इं	इं	धु	धु	अं	चलना।
१०९	उं	उं	धु	धु	अं	चलना।
११०	एं	एं	धु	धु	अं	चलना।
१११	ऐं	ऐं	धु	धु	अं	चलना।
११२	औं	औं	धु	धु	अं	चलना।
११३	अं	अं	धु	धु	अं	चलना।
११४	इं	इं	धु	धु	अं	चलना।
११५	उं	उं	धु	धु	अं	चलना।
११६	एं	एं	धु	धु	अं	चलना।
११७	ऐं	ऐं	धु	धु	अं	चलना।
११८	औं	औं	धु	धु	अं	चलना।
११९	अं	अं	धु	धु	अं	चलना।
१२०	इं	इं	धु	धु	अं	चलना।
१२१	उं	उं	धु	धु	अं	चलना।
१२२	एं	एं	धु	धु	अं	चलना।
१२३	ऐं	ऐं	धु	धु	अं	चलना।
१२४	औं	औं	धु	धु	अं	चलना।
१२५	अं	अं	धु	धु	अं	चलना।
१२६	इं	इं	धु	धु	अं	चलना।
१२७	उं	उं	धु	धु	अं	चलना।
१२८	एं	एं	धु	धु	अं	चलना।
१२९	ऐं	ऐं	धु	धु	अं	चलना।
१३०	औं	औं	धु	धु	अं	चलना।

नम्बर	गण	पदार्थानि आत्मनिष्ठानि पदार्थानि	धातु	पदार्थानि आत्मनिष्ठानि पदार्थानि	अर्थ
१०५७	आ०	प०	नी	नीव	अ० मोटाहोना।
१०५८	आ०	प०	नील	नील	अ० रङ्गहोना।
१०५९	तु०	प०	नु	नुह्	स० मारना।
१०६०	दि०	प०	नृ	नृ	अ० नाचना।
१०६१	आ०	प०	नृ	नृ	स० नीविकलाहानि
१०६२	आ०	प०	नृ	नृ	स० चनना।
१०६३	आ०	प०	प	पवि	अ० नाहोना
१०६४	तु०	प०	प्रच्छ	प्रच्छ	स० बहना
१०६५	आ०	प०	पत्रि	पत्र	स० रङ्गना।

धातुर्णव

८३

क्र.	तन्वा	गण	धातु	धातु	धातु	धातु
१०६६	आ.	प.	पठ	पठ	स.	चनना।
१०६७	आ.	प.	पठ	पठ	स.	कटना।
१०६८	आ.	प.	पठि	पठ	स.	पठयकटना।
१०६९	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।
१०७०	आ.	प.	पण	पण	स.	नाशकटना।
१०७१	आ.	प.	पण	पण	स.	देसीकरना, तारीकरना।
१०७२	आ.	प.	पण	पण	स.	विचर्यदेना।
१०७३	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।
१०७४	आ.	प.	पण	पण	स.	विचर्यदेना।
१०७५	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।
१०७६	आ.	प.	पण	पण	स.	जातिरदेना।
१०७७	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।
१०७८	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।
१०७९	आ.	प.	पण	पण	स.	देसीकरना, तारीकरना।
१०८०	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।
१०८१	आ.	प.	पण	पण	स.	दरादेना।
१०८२	आ.	प.	पण	पण	स.	पणयकटना।
१०८३	आ.	प.	पण	पण	स.	चनना।

नम्बर	गा	पर. प्रापति सामिपशरगा पर. उभयपर.	धातु	स्वरूप	सकर्मक वा अकर्मक	अर्थ
१०५०	भा०	प०	नी	नीव	स०	मेघाद्वेना।
१०५१	भा०	प०	नी	नीव	स०	रद्वेना।
१०५२	तु०	प०	तु	तुब्	स०	मारना।
१०५३	दि०	प०	तृ	तृत्	स०	नारना।
१०५४	भा०	प०	नृ	नृ	स०	नीविकरना।
१०५५	भा०	प०	नृ	नृ	स०	चनना।
१०५६	भा०	प०	प	पवि	स०	प्राहुरद्वेना।
१०५७	तु०	प०	प्र	प्रच्छ	स०	बहुवाचना।
१०५८	तु०	प०	प्र	प्रच्छ	स०	पृच्छना।
१०५९	भा०	प०	प	पजि	स०	स्थाना।

संख्या	गण	पदः धान्यनि धान्यनिपदः गम्ये पदः उपपदः	धातु	संज्ञा	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१०६६	धा.	प.	पठ	पठ	स.	चनना।
१०६७	धा.	प.	पठ	पठ	स.	कनना।
१०६८	धा.	प.	पठ	पठ	स.	मपठकनना।
१०६९	धा.	प.	पठि	पठ	स.	चनना।
१०७०	धा.	प.	पण	पण	स.	नाशकरना।
१०७१	धा.	प.	पत	पत	स.	दोस्तीकरना, नारीकरण
१०७२	धा.	प.	प्रथ	प्रथ	स.	विभर्षणेना।
१०७३	धा.	प.	प्रथि	प्रथ	स.	चनना।
१०७४	धा.	प.	पथे	पथ	स.	चनना।
१०७५	धा.	प.	पद	पद	स.	चनना।
१०७६	धा.	प.	पन	पन	स.	दोस्तीकरना, नारीकरण
१०७७	धा.	प.	पय	पय	स.	चनना।
१०७८	धा.	प.	पर्ष	पर्ष	स.	दृशणेना।
१०७९	धा.	प.	पर्ष	पर्ष	स.	अपशृण्वणेना।
१०८०	धा.	प.	पर्ष	पर्ष	स.	चनना।

नम्बरा	गाग	परः प्रथमि तस्मिन् पश्यन्ति परः उपपद्यते	धातु	प्रत्ययः	सकर्मक वा सकर्मिक	अर्थ
१०५७	आ०	प०	नी	नीव	श०	मोहाद्वेना।
१०५८	आ०	प०	नी	नीम	श०	रहूद्वेना।
१०५९	तु०	प०	नु	नुह्	स०	मारना।
१०६०	दि०	प०	नृ	नृव	श०	नाचन।
१०६१	आ०	प०	नृ	नृ	म०	नीविकस्वाङ्गाभिनयः।
१०६२	आ०	प०	नृ	नृ	स०	चलना।
१०६३	आ०	प०	प	पवि	श०	नाहृद्वेनादृष्टिः।
१०६४	तु०	प०	प्रच्छ	प्रच्छ	स०	बहुजवाल्ना।
१०६५	आ०	प०	पजि	पज	स०	शाना।

संख्या	भागा	प्रमाण	भागा	प्रमाण	प्रमाण	प्रमाण
१०६६	१०६६	१०६६	१०६६	१०६६	१०६६	१०६६
१०६७	१०६७	१०६७	१०६७	१०६७	१०६७	१०६७
१०६८	१०६८	१०६८	१०६८	१०६८	१०६८	१०६८
१०६९	१०६९	१०६९	१०६९	१०६९	१०६९	१०६९
१०७०	१०७०	१०७०	१०७०	१०७०	१०७०	१०७०
१०७१	१०७१	१०७१	१०७१	१०७१	१०७१	१०७१
१०७२	१०७२	१०७२	१०७२	१०७२	१०७२	१०७२
१०७३	१०७३	१०७३	१०७३	१०७३	१०७३	१०७३
१०७४	१०७४	१०७४	१०७४	१०७४	१०७४	१०७४
१०७५	१०७५	१०७५	१०७५	१०७५	१०७५	१०७५
१०७६	१०७६	१०७६	१०७६	१०७६	१०७६	१०७६
१०७७	१०७७	१०७७	१०७७	१०७७	१०७७	१०७७
१०७८	१०७८	१०७८	१०७८	१०७८	१०७८	१०७८
१०७९	१०७९	१०७९	१०७९	१०७९	१०७९	१०७९
१०८०	१०८०	१०८०	१०८०	१०८०	१०८०	१०८०
१०८१	१०८१	१०८१	१०८१	१०८१	१०८१	१०८१
१०८२	१०८२	१०८२	१०८२	१०८२	१०८२	१०८२

नम्बर	गण	पठ. अर्थान् साधनेपरिपत्ति पठ. उभयपरि	धातु	मूलरूप	सकर्मक वा अकर्मक	शब्द
१०८०	स्वा०	प०	पव	पर्व	अ०	पूराहोना चलना।
१०८१	स्वा०	आ०	पर्ष	पर्ष	अ०	दोली करना।
१०८२	स्वा०	प०	पल	पल	म०	चलना।
१०८३	स्वा०	उ०	पल्ल	पल	स०	रुगकरना। बचना।
१०८४	स्वा०	प०	पल्ल	पल	अ०	गिला गिर फटना।
१०८५	स्वा०	प०	पल्ल	पल	स०	चलना।
१०८६	स्वा०	आ०	पव	पव	स०	चलना।
१०८७	स्वा०	उ०	पश	पश	स०	वांधना।
१०८८	स्वा०	उ०	पशप	पशप	स०	दुहनेना। कसा।
१०८९	स्वा०	५	पप	पप	स०	चलना।
१०९०	स्वा०	प०	पस	पस	स०	नकली। देना।
१०९१	दि०	आ०	प्रस	प्रस	स०	जन्म देना। चलना।
१०९२	स्वा०	आ०	प्रस	प्रस	अ०	घटना।
१०९३	कं०	प०	पपस	पपस	अ०	दुःख होना।
१०९४	उ०	उ०	परि	पर	म०	रपकना।
१०९५	उ०	उ०	परि	पर	अ०	नाश होना।

स्थानां च

[illegible]

नम्बर	गण	पदः प्रथितः आलिने पदः रस्मि पदः उभयपदः	धातु	वृत्तः	गकर्मक जा लकर्मक	अर्थ
११०६	म्वा०	प०	पिट्	पिट्	य० स०	मारना प्रकृ-चीकृद्वाना।
११०७	जु०	उ०	पिटि	पिट्	ज०	बद्धनद्वाना।
११०८	म्वा०	प०	पिवि	पिव्	स०	बद्धनद्वाना।
११०९	जु०	उ०	पिल	पिल	स०	सीचना।
१११०	रु०	प०	पिपन्	पिप्	स०	पठानाभेजना।
११११	जु०	प०	पिण्	पिण्	स०	पीसना।
१११२	जु०	उ०	पिस	पिस	य० स०	अद्भ-पीसना।
१११३	म्वा०	प०	पिसृ	पिसृ	स०	चलना प्रकाश होना।
१११४	म्वा०	प०	ह्लिह्	ह्लिह्	स०	चलना।
१११५	ज्या०	प०	ह्ली	ह्ली	स०	चलना।
१११६	दि०	ज्या०	पीड्	पी	स०	पीना।
१११७	दि०	ज्या०	पीड्	पी	य०	रपूय होना।
१११८	ज्या०	उ०	पीज्	पी	य०	नृशब्दानां प्रकाश होना।

नम्बर	गण	पद	धातु	प्रत्यय	सकर्मक	अकर्मक	अर्थ
१११६	बु०	उ०	पीड	पीड	स०		तकलीफ देना।
१११७	भ्या०	प०	पीप	पीप	स०		पसन्न करना, पुश करना।
१११८	भ्या०	प०	पील	पील	स०		ऐकना, छेड़ना, गांफना।
१११९	भ्या०	प०	पीव	पीव	स०		मोहा होना।
			पु				
११२०	भ्या०	छा०	पुड	पु	स०		चलना।
११२१	भ्या०	छा०	पुड	पु	स०		चलना।
११२२	भ्या०	प०	पुच्छ	पुच्छ	स०		प्रमाण पारना।
११२३	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		दांघना।
११२४	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		पुड मिलाटना।
११२५	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		कटग मिलाटना।
११२६	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		मिलाटना, मिलाटना।
११२७	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		दांघना, दांघना।
११२८	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		अच्छा काम करना।
११२९	भ्या०	प०	पुड	पुड	स०		पार करना, पार करना।

नम्बर	गण	परः अर्थानि लालिनेपदगल्मि परः उभयपरः	धातु	मूलरूप	सकर्मक वा अकर्म	अर्थ
११३३	दि०	प०	पुष	पुष	स०	मारना।
११३३	दि०	प०	पुषि	पुष	स०	कटना, प्रकारादोना।
११३४	दि०	प०	पुष्य	पुष्य	अ०	मारना, दुःखदोना।
११३५	दि०	प०	पुषि	पुष	अ०	विगमना, फूलना।
११३६	भा०	प०	पुर्व	पुर्व	स०	रिक्तजाना।
११३७	भा०	प०	पुर	पुर	स०	पूरकना, वसना, रिकना।
११३८	दि०	प०	पुरु	पुर	अ०	आगे चलना।
११३९	भा०	प०	पुल	पुन	अ०	रिक्तजाना।
११४०	दि०	प०	पुनु	पुन	अ०	महलदोना, उन्तादोना।
११४१	भा०	प०	पुप	पुप	अ०	रिक्तजाना।
११४२	का०	प०	पुप	पुप	अ०	मोटादोना, पुष्टदोना।
११४३	का०	प०	पुप	पुप	अ०	दीप्तीकरण, तावेदारी।
११४४	दि०	प०	पुप	पुप	अ०	कलपना, कटना।
११४५	भा०	प०	पुपु	पुप	अ०	फूकना, जेनाना।
११४६	का०	प०	पुपु	पुप	अ०	शुद्धना।
११४७	का०	प०	पुपु	पुप	अ०	प्रीतिपाश।

नम्बर	राणा	पद-संख्या पद-संख्या पद-संख्या	धातु	मूल	मूल-संख्या मूल-संख्या मूल-संख्या	अर्थ
१२४६	दि०	प०	लुस	लुस	स०	फूंकना, धांटना।
१२४७	लु०	उ०	लुस	लुस	अ०	बढ़ना।
१२४८	आ०	आ०	पू०	पू०	स०	पतितकरना, शुद्ध करना।
१२४९	लु०	उ०	पू०	पू०	स०	पूतना।
१२५०	प्रा०	उ०	पू०	पू०	स०	पतितकरना, शुद्ध करना।
१२५१	दि०	आ०	पू०	पू०	स०	गृह बनाना, नानाका देखना।
१२५२	आ०	आ०	पू०	पू०	अ०	पू०, धांटना, दूधाना।
१२५३	लु०	उ०	पू०	पू०	अ०	ठिकना, तसना।
१२५४	दि०	आ०	पू०	पू०	स०	पू० करना, नाना नाना।
१२५५	आ०	उ०	पू०	पू०	अ०	बढ़त होना।
१२५६	आ०	प०	पू०	पू०	अ०	बढ़ना।
१२५७	लु०	उ०	पू०	पू०	स०	पू० करना।

नम्बर	गाथा	पद-लघोत्तर- धातुविपर्यय- पद-उपपत्ति	धातु	मूल	सकर्मक लकर्मक	अर्थ
११५८	म्वा०	प०	पृच्	पृच्	स०	प्रतिज्ञा करना।
११५९	तु०	आ०	पृड्	पृ	अ०	विस्तार होना, बढ़ा होना।
११६०	आ०	आ०	पृची	पृच्	स०	मिलना, भेट करना।
११६१	सु०	प०	पृच्छ	प्रच्छ	स०	पढ़ना।
११६२	आ०	प०	पृजी	पृज	स०	चलना।
११६३	तु०	प०	पृड्	पृड्	अ०	मलाहू करना।
११६४	तु०	प०	पृण	पृण	अ०	खुश होना।
११६५	तु०	उ०	पृय	पृयं	स०	खुश होना, तृप्त करना।
११६६	म्वा०	प०	पृषु	पृषं	स०	फिकना।
११६७	क्रा०	प०	पृ	पृ	स०	मोचना।
११६८	म्वा०	आ०	प्रे	प्रे	स०	पालन, पूरा करना।
११६९	म्वा०	आ०	प्रेष्ट	प्रेष्ट	स०	चलाना, नेकी करना, भजना करना।
११७०	म्वा०	आ०	प्रेय	प्रेयं	स०	वाधेदारी करना।

नम्बर	गण	प्रत्यय	धातु	स्वर	गुण	अर्थ
११७०	आ०	प०	पल	पल	स०	घटना, कथना।
११७१	आ०	अ०	मेव	मेव	स०	नावेदासीकरना।
११७२	आ०	आ०	पेप	पेप	स०	गावेदासीकरना।
११७३	आ०	प०	प्रेप	प्रेप	स०	जगना।
११७४	आ०	प०	पेस	पेस	स०	चलना।
११७५	आ०	प०	पे	पे	स०	सूखना, सुगना।
११७६	आ०	आ०	पे	पे	स०	घटना।
११७७	आ०	प०	पेण	पेण	स०	चलन, दाना मिलना।
११७८	आ०	उ०	पेव	पेव	स०	पूरा करना, रत म करना।
११७९	आ०	प०	फ	फ	स०	पूरा करने, चला, पुग, दो, दो, क
११८०	आ०	प०	फण	फण	स०	चलना।

[illegible]

[illegible]

नम्बर	गण	पठः स्योतः आत्मनेपदपठः पठः उपपदपठः	धातु	मूलरूप	प्रकर्मक प्रकर्मक	अर्थ
१२३३	भ्वा०	प०	वांशि	वाञ्छ	स०	दुन्दुकरणा।
१२३४	भ्वा०	आ०	वाट्	वाह	स०	हृदिकेन्द्वना।
१२३५	झ०	उ०	वान	वान	प्र-म०	गुणहोनप्रावेदादिपठ
१२३६	झि०	इ०	वाचु	वाचत्	स०	गणकरणा।
१२३७	भ्वा०	आ०	वाध्	वाध	स०	उनदिकेमाणा।
१२३८	झि०	आ०	वाञ्	वाश	स०	वालना।
१२३९	झ०	उ०	वास	वास	प्र-म०	तावेदारीरुना, पुश-
१२४०	भ्वा०	आ०	वाह	वाह	प्र०	वृत्ताना।
१२४१	भ्वा०	प०	वाहि	वाह	स०	मनमें कहना।
१२४२	झ०	फ०	वि	वि	प्र-म०	चननाप्रगकरणा, वनम करना, गर्भरहना। रुखछरनहोना, फेकना खाना।
१२४३	व्या०	प०	वि	वि	स०	घर्णकरणा।

नम्बर	गण	पद	धातु	विभक्ति	शब्द	अर्थ
१२४४	सु०	उ०	विष्क	विष्क	म०	मार्गना दृष्टना।
१२४५	सु०	प०	विच्छ	विच्छ	स०	चलना।
१२४६	सु०	उ०	विद	विद	म०	कृदना, प्रकाश होना।
१२४७	सु०	प०	विद	विद	म०	चालना, गृहणना, विज्ञाना।
१२४८	सु०	प०	विद	विद	म०	गदाना, शरणा।
१२४९	सु०	प०	विद	विद	म०	होना।
१२५०	सु०	प०	विद	विद	म०	विपत्तना, वज्र होना।
१२५१	सु०	प०	विद	विद	म०	माद, वारना, कन्दना।
१२५२	सु०	प०	विद	विद	म०	वर्तु, नमना।
१२५३	सु०	प०	विद	विद	म०	गर्द, एते होना।
१२५४	सु०	प०	विद	विद	म०	लाभ, कर्मा।
१२५५	सु०	प०	विद	विद	म०	शुद्ध, कर्मा, प्रनाना।
१२५६	सु०	प०	विद	विद	म०	शान्त, होना।
१२५७	सु०	प०	विद	विद	म०	छाना, माद, वारना, कन्दना।
१२५८	सु०	प०	विद	विद	म०	पुष्ट, कर्मा।
१२५९	सु०	प०	विद	विद	म०	शरणा, कन्दना, कन्दना।

नम्बर	गण	पद-प्रयोग आत्मनिभनर प्रत्ययपद	धातु	सुप्ति	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१३०६	स्ना०	प०	धेनु	वेन	स०	वनना।
१३०७	भा०	प्रा०	येद्	वेद्	प्रा०	नदनीकृत्युद्धरण
१३०८	धा०	प०	वन्तु	वत्	सु०	वननाकृत्युद्धरण
१३०९	क्री०	प०	वन्	वन्	स०	वांश्चन।
१३१०	मी०	प०	वन्	वन्	स०	वनना।
१३११	भा०	उ०	भन	भन	स०	नोददरिदम्ना।
१३१२	तु०	प०	भृज	भृज	स०	पकाना।
१३१३	तु०	उ०	भति	भृज	स०	कटना।
१३१४	भा०	प०	भट	भट	स०	नृदना, पानना कर्मा, महनते करणा।
१३१५	तु०	प०	भृद्	भृद्	स०	लाना।
१३१६	धा०	प्रा०	भटि	भृद्	स०	कटना।
१३१७	मी०	प०	भण	भण	स०	नुवादना, कृत्यारम्भ
१३१८	भक०	प०	भण्	भण	स०	वाल्ना।
१३१९	भक०	प०	भण्	भण	स०	वेत्तना।

[illegible]

नम्बरा	गण	संख्यादि गणान्तरपरपर पद-उपपपद-	शानु	गणित	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१३३३	भा०	प०	भा	भा	श०	प्रकाशहेना।
१३३४	बु०	उ०	भाज	भाज	श०	जन्महेना।
१३३५	वा०	शा०	भानृ	भानृ	श०	प्रकाशहेना।
१३३६	भा०	शा०	भाम	भाम	श०	वेनाहेना।
१३३७	बु०	उ०	भाप	भाप	स०	कृष्णकाना।
१३३८	भा०	शा०	भास	भास	श०	वालेना।
१३३९	भा०	शा०	भाम्	भाम्	श०	प्रकाशहेना।
मि						
१३४०	कं०	प०	मिपञ्	मिपञ्	स०	रिगदूरकरना।
१३४१	कं०	प०	मिह्नञ्	मिह्नञ्	स०	तादेदारीकरना।
१३४२	भा०	प०	मिदि	मिदृ	स०	अङ्गवचनाना।
१३४३	रु०	उ०	मिदिर	मिद	स०	विदीपीकरना, फेड़ना।
१३४४	बु०	उ०	मिन्	मिन्	स०	चोड़चोड़करना।
१३४५	भा०	प०	मिप	मिप	स०	रिगदूरकरना।

नम्बर	गण	पदः अर्थात् प्राप्तिपदसहित पदः उपपत्त्यर्थः	भाव	मूर्ति	संक्रमिक या संक्रमिक	सर्व
१३१५	भा०	उ०	भुन	भुन	स०	पानना।
१३१६	जु०	उ०	भुज	भु	स०	पानना।
१३१७	दि०	प०	भुशु	भुश	ज०	नीचे गिरना।
१३१८	ज्या०	प०	भु० भु मे	भु	स०	ढराना।
१३१९	भा०	भा०	भेज	भेज	ज०	प्रकाशहोना।
१३२०	भा०	उ०	भेष्ट	भेष्ट	ज०	ढरना, चलना।
१३२१	भा०	उ०	भेष्ट	भेष्ट	स०	चलना।
१३२२	भा०	उ०	भेश	भेश	स०	चलना।
१३२३	भा०	भा०	भेष	भेष	ज०	गिरना।
१३२४	भा०	उ०	भेष	भेष	ज०	ढरना।
१३२५	रु०	प०	भंजो	भंज	स०	चांदना, गोदना।
१३२६	दि०	प०	भंशु	भंश	ज०	नीचे गिरना।

नम्बर	गण	परः पद्योनि आत्मनि पदपद पदः उच्यते	धनु	महर्ष	सकर्मक सकर्मक	अर्थ
१४०६	दि०	प०	मसी	मस	अ०	सौरजगह सो होना
१४०७	म्या०	प०	मह	मह	स०	पूजना।
१४०८	बु०	उ०	महि	मंह	स०	प्रकाश होना।
१४०९	म्या०	आ०	मदा	मदा	अ०	बढ़ना, अपाजाना।
१४१०	बु०	प०	महा	महा	अ०	बढ़ा होना, तेनार होना।
१४११	उ०	उ०	मा	मा	अ०	खुफा होना।
१४१२	म्या०	प०	मा	मा	स०	होली करना, खपराह होना।
१४१३	दि०	आ०	माह	मा	स०	नोलना।
१४१४	म्या०	आ०	मान	मान	स०	नोलना।
१४१५	बु०	उ०	मान	मान	स०	पूजना।
१४१६	म्या०	आ०	मार्ग	मार्ग	स०	विचारना।
१४१७	बु०	प०	मार्ज	मार्ज	अ०	अभ्यास करना।
१४१८	म्या०	उ०	माह	माह	स०	ढंढना, खोज करना।
१४१९	म्या०	प०	माहि	माहि	स०	संस्कार करना।
						पोलना।
						गोलना।
						मन में कहना।

१. अथ
२. अथ
३. अथ
४. अथ
५. अथ
६. अथ
७. अथ
८. अथ
९. अथ
१०. अथ

१. अथ
२. अथ
३. अथ
४. अथ
५. अथ
६. अथ
७. अथ
८. अथ
९. अथ
१०. अथ

अथ

१. अथ
२. अथ
३. अथ
४. अथ
५. अथ
६. अथ
७. अथ
८. अथ
९. अथ
१०. अथ
११. अथ
१२. अथ
१३. अथ
१४. अथ
१५. अथ
१६. अथ
१७. अथ
१८. अथ
१९. अथ
२०. अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

नम्या	गण	म. ख. ग. नि. म. ख. ग. नि. प. ख. ग. नि.	धनु	मि.	म. ख. ग. नि. म. ख. ग. नि.	शयं
१४३३	भा.	प.	मि.	मि.	सु.	मीनना।
१४३४	भा.	प.	मी	मी	म.	चनुना।
१४३५	मि.	ग.	मी	मी	सु.	मरना।
१४३६	का.	उ.	मी	मी	सु.	माला।
१४३७	भा.	प.	मी	मी	प.	दोहाहोना।
१४३८	भा.	फ.	मी	मी	प.	मोहाहोना।
१४३९	सु.	उ.	सु	सु	प.	सुगहोना।
१४४०	भा.	ग.	सु	सु	प.	रंमहोना, जड़नाहो
१४४१	भा.	फ.	सु	सु	सु.	क्लना।
१४४२	भा.	प.	सु	सु	सु.	चलना।
१४४३	भा.	प.	सु	सु	सु.	चलना।
१४४४	भा.	प.	सु	सु	सु.	चलना।

नम्बर	भाषा	प्रत्ययान्ति संज्ञासंज्ञा प्रत्ययान्ति	धातु	संज्ञा	संज्ञा प्रत्ययान्ति	अर्थ
१४८१	भा.	प.	मुज	मुज	स.	चतना।
१४८२	भा.	प.	मुनि	मुं	स.	चनना।
१४८३	भा.	प.	मुद	मुद	स.	दादना, गेदना, पैतना।
१४८४	भा.	प.	मुठ	मुठ	स.	मनना, पालना।
१४८५	भा.	प.	मुत्रि	मुं	स.	उपना, बाढासाप
१४८६	भा.	प.	मुण	मुण	स.	जानना, मानना।
१४८७	भा.	प.	मुस	मुस	स.	बहतदीना।
१४८८	भा.	प.	मुद	मुद	स.	मुसदीना।
१४८९	भा.	प.	मुर्वा	मुर्वा	स.	बांधना।
१४९०	भा.	प.	मुर्वा	मुर्वा	स.	मुसदीना, मुदना।
१४९१	भा.	प.	मु	मु	स.	लेपना।
१४९२	भा.	प.	मुल	मुल	स.	एहलगाणा।
१४९३	भा.	प.	मुच्छ	मुच्छ	स.	देडना।
१४९४	भा.	प.	मुप	मुप	स.	मारना।
१४९५	भा.	प.	मुप	मुप	स.	लटना।

नम्बर	गण	पद-प्रयोग पद-प्रयोग	भाव	सूत्र	सूत्र-संकेत	अर्थ
१४५६	दि.	प.	मुप	मुप	सं.	छटना।
१४६०	दि.	प.	मुस	मुस	सं.	काटना।
१४६१	दि.	प.	मुह	मुह	अ.	विखराना।
१४६२	भा.	प.	मु	मु	सं.	बाधना।
१४६३	भा.	प.	मुत्र	मुत्र	अ.	दपकना।
१४६४	भा.	प.	मुत्त	मुत्त	अ.	जामना।
१४६५	भा.	प.	मुप	मुप	सं.	आदरकरना।
१४६६	भा.	प.	मु	मु	सं.	चलना।
१४६७	भा.	प.	मुग	मुग	सं.	हरना।
१४६८	भा.	प.	मुह	मु	सं.	मारना।
१४६९	भा.	प.	मुन	मुन	सं.	उहना।
१४७०	भा.	प.	मुह	मुह	अ.	मुहना।

नमः	गण	परः प्रयोगः धान्वसिधपरः परः प्रयोगः	धु	मि	मि	मि
१४९१	तु०	प०	मृण	मृण	स०	माना।
१४९२	न्या०	प०	मृद	मृद	स०	होधकरना।
१४९३	न्या०	उ०	मृधु	मृध	स०	नहोना।
१४९४	तु०	प०	मृण	मृण	स०	छुनेना।
१४९५	ध्या०	प०	मृपु	मृप	रा०	होवना, गमसाना।
१४९६	न्या०	प०	मृ	मृ	स०	माना।
१४९७	न्या०	ध्या०	मेड	मे	स०	दानदेना।
१४९८	न्या०	प०	मेट	मेट	स०	खपखान होना।
१४९९	न्या०	ध्या०	मेड	मेड	स०	पापदेना।
१५००	न्या०	उ०	मेद	मेद	स०	मारना, बुद्धिहोना।
१५०१	न्या०	उ०	मेद	मेद	स०	बुद्धिहोना, मारना।
१५०२	न्या०	उ०	मेध	मेध	स०	पाथकाला, सुद्धकरना।

नम्बर	गण	पर्याय पदः उपपद्यते	धातु	प्रत्यय	कर्मक	अर्थ
१४८३	कं	प०	मेधा	मेधा	स०	जलदीचलना।
१४८४	म्वा०	आ०	मेव	मेव	स०	नवेदारीकरना।
१४८५	म्वा०	आ०	मेव	मेव	स०	नवेदारीकरना।
१४८६	म्वा०	आ०	मेय	मेय	स०	चलना।
१४८७	धा० नु०	पु० उ०	मेस	मेस	अ० स०	धोरोलना। अपशब्दना।
१४८८	म्वा०	प०	मे	मे	अ०	धातु गिरना।
१४८९	म्वा०	प०	मज्ज	मंज	प्रभ०	गुहकरना, शत्रुहर्तना।
१४९०	म्वा०	प०	मंय	मंय	स०	उलटिके मारना।
१४९१	कं	प०	मंतु	मंत	अ०	चूक होना, खण्ड होना।
१४९२	म्वा०	उ०	य	यत्र	स०	दिवङ्मन, साधकलप
१४९३	नु०	उ०	यवि	पंय	अ०	लानना। छात्र होना।
१४९४	म्वा०	आ०	यनी	यन्	अ०	पत्र करना।

धात्वर्णव

१२१

नम्बर	गण	परः लयान् शान्तये सः यान्ति परः उभये परः	धातु	गुणस्व	सकर्मकना अकर्मक	पर्य
१४१५	आ.	प०	यभ	यभ	स०	स्त्रीसंभोगकरना।
१४१६	आ.	प०	यस	यस्	स०	यकारटना।
१४१७	आ.	प०	यमो	यम्	स०	नपटना।
१४१८	इ.	प०	यगु	यस्	स०	चेरकरना, पस्विपकरना।
१४१९	उ.	या०	यह	यह	स०	उपायकरना।
१४२०	अ.	म१	या	या	स०	पूजना।
१४२१	आ.	प०	यु	यु	स०	यामकरना।
१४२२	उ.	या०	यु	यु	स०	विचित्राद् मिलान्ना।
१४२३	आ.	प०	युगि	युंन	स०	क्षान्ना, मिश्र करना।
१४२४	आ.	प०	उच्छ	उच्छ	स०	मीकृफकरना।
१४२५	उ.	उ०	उज	उज	स०	मलहाना।
१४२६	नरा०	उ०	उज	उज	स०	प्रमिश्रकरना, निष्कृत एनगवेना।
१४२७	नरा०	उ०	उ	उ	स०	शोधना।

नम्बर	गण	परः अथवा आत्मनः परस्मि पदः उपपद्यते	शु	स्व	एकमकं या एकमाकं	शब्द
१५३३	भा०	प०	गक	रक	स०	भारना, दलना।
१५३३	भा०	शा० प०	रवि	रं	म०	विनना, दलना।
१५३४	भा०	शा०	रभ	रभ	म०	गुह्यकरना।
१५३५	भा०	शा०	रभी	रभ	म०	मफा, दोलना।
१५३६	भा०	शा०	रम	रन	स०	कीड़ा करना, वेनना।
१५३७	भा०	शा०	रप	रप	म०	वलना।
१५३८	भा०	प०	रग	रग	स०	दोलना।
१५३९	भा० सु०	प० उ०	रस	रस	स० य०	भारना, दोलना, स्वादिना।
१५४०	भा०	प०	रह	रह	स०	छाड़ना।
१५४१	भा०	प०	रहि	रं	स०	नटना।
१५४२	भा०	प०	रक्ष	रक्ष	म०	पानना करना।
			ग			
१५४३	भा०	प०	रा	रा	स०	दान देना।
१५४४	भा०	प०	राव	राव	स०	सुरक्षा, दहन देना। शाधना, पढ़ना।

नं०	गंगा	प्र. अक्षर.	ध्यानपत्र	ध्यानपत्र	ध्यानपत्र	ध्यानपत्र
१४४१	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४२	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४३	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४४	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४५	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४६	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४७	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४८	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४४९	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५०	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५१	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५२	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५३	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५४	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५५	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५६	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५७	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५८	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४५९	आ०	५	गप	गप	गप	गप
१४६०	आ०	५	गप	गप	गप	गप

नम्बर	गण	पदः श्रयान् आत्मनपदपरि पदः उपपदः	धातु	मूलरूप	सकर्मक वा अकर्मक	शब्द
१५५८	आ०	प०	रि	रि	स०	चलना।
१५५९	आ०	प०	रि	रि	अ०	वेगहोनप्राकृतहेला।
१५६०	स०	उ०	रि	रि	स०	किकरना।
१५६१	तु०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६२	आ०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६३	आ०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६४	तु०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६५	क्या०	प०	री	री	स०	कलनापेहिआतेकेलना।
१५६६	दि०	आ०	री	री	अ०	मुननापकना।
१५६७	आ०	उ०	री	री	स०	लिनाकाना।
१५६८	अ०	प०	रु	रु	स०	बोलना।
१५६९	आ०	आ०	रु	रु	स०	चलना, मारना।

धात्वर्थाव

१२७

नम्बर	गण	पद-प्रयोग-सि धात्वर्थाव-पद-प्रयोग	धातु	मूल-रूप	प्रकृत-रूप प्रकृत-रूप	अर्थ
११७०	भा.	भा.	उच्	रुच	उ.	प्रकाशमान होना
११७१	नु.	उ.	रुज	रुज	स.	मारना।
११७२	नु.	उ.	रुजो	रुज	स.	दिगाड़ना।
११७३	भा.	भा.	रुह	रुह	स.	उत्तरिके मारना, प्रकाश मान।
११७४	भा.	प.	रुह	रुह	स.	चोरी करना।
११७५	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना, उत्तरिके मारना।
११७६	भा.	प.	रुह	रुह	स.	चलना, चोरी करना।
११७७	भा.	प.	रुह	रुह	स.	चलना।
११७८	भा.	प.	रुह	रुह	स.	चोरी करना।
११७९	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८०	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८१	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८२	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८३	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८४	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८५	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८६	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८७	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८८	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११८९	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११९०	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११९१	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११९२	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।
११९३	भा.	प.	रुह	रुह	स.	घोसना।

नम्बर	गण	पदः धात्वर्थे आत्मनि पदः परस्मि पदः प्रथमपदः	धातु	प्रत्यय	सकर्मक अकर्मक	पर्य
१५८४	भा०	प०	रुह	रुह	अ०	वीतिनाम्ना, आरक निकल्नना।
१५८५	घु०	उ०	रुहा	रुह्	अ०	मिडरहना।
१५८६	भा०	घा०	रु	रु	स०	चालना।
१५८७	सु०	उ०	रु	रुप्	स०	पदिना, रूपदेखना, मर्मदेखना।
१५८८	भा०	प०	रु	रु	स०	पदिना।
१५८९	घु०	उ०	रुह	रुह	अ०	कड़ाहना।
१५९०	भा०	घा०	रुह	रुह	अ०	गोफमानना।
१५९१	कं	प०	रुह	रुह	अ०	दुग्धमनीकृतकटहना।
१५९२	भा०	घा०	रुह	रुह	अ०	प्रयगहना।
१५९३	भा०	उ०	रुह	रुह	अ०	रुहना।
१५९४	भा०	उ०	रुह	रुह	अ०	रुहना।
१५९५	भा०	उ०	रुह	रुह	अ०	रुहना, रुहना।

शान्तसंगव

三

वर्ग	गण	प्रकार	शब्द	पुनरा	प्रकार	शब्द
१२२	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२३	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२४	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२५	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२६	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२७	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२८	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२९	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३०	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३१	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३२	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३३	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३४	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३५	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३६	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३७	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३८	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३९	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४०	गण	गण	गण	गण	गण	गण

[illegible]

नम्बर	गण	पञ्चम्यानि शान्तिपदप्रति प्रः उपरपरः	धनु	मूल	मृगशिरा शक्रमृग	शब्द
१३०१	नु०	उ०	रुग	रुग	म०	गान्नी।
१३०२	नु०	उ०	रुग वे	रुग	म०	यकागद्गान्नी।
१३०३	भा०	प०	वेद्य	वेद्य	म०	चनना।
१३०४	भा०	प०	वेत्त	वेत्त	म०	चनना।
१३०५	भा०	प०	वेम्	वेम्	स०	चनना।
१३०६	भा०	प०	वे श	वे	स०	मदखना, नुराना।
१३०७	दि०	उ०	शक	शक	म०	नाकतद्गान्नी, शक्रिष्टे
१३०८	भा० दि०	प०	शक	शक	स०	चानना।
१३०९	भा०	प्रा०	शकि	शंक	म०	शंकद्गान्नी, शौकद्गान्नी
१३१०	भा०	प्रा०	शकि	शंक	स०	चलना।
१३११	भा०	प्रा०	शकि	शंक	स०	चलना।

धात्वर्णव

२३२

अक्षर	गण	प्रत्ययः एतन्निर्दिष्टप्रत्ययः एतन्निर्दिष्टप्रत्ययः	धातु	प्रत्ययः	प्रत्ययः	धर्मः
१००	आ०	प०	आगि	आगि	ग०	चलना।
१०१	आ०	प०	प्लगि	प्लगि	ग०	चलना।
१०२	आ०	आ०	गच	गच	ग०	गङ्गाबद्धना, चलना।
१०३	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१०४	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१०५	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१०६	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१०७	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१०८	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१०९	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११०	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१११	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११२	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११३	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११४	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११५	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११६	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११७	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११८	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
११९	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२०	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२१	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२२	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२३	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२४	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२५	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२६	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२७	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२८	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१२९	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।
१३०	आ०	आ०	श्च	श्च	ग०	चलना।

धात्वणिव

१४२

संख्या	गण	पद-प्रयोग- प्रमाण-प्रमाण	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय- प्रमाण	धर्म
१३४६	आ.	आ.	गल	गल	स.	चनना, परदा करना।
१३४७	आ.	व.	खल	खल	स.	जननी चनना।
१३४८	आ.	व.	खल	खल	स.	जननी चनना।
१३४९	आ.	व.	गद	गद	स.	मीदना करना।
१३५०	आ.	व.	गद	गद	स.	गतिदेना।
१३५१	आ.	व.	गद	गद	स.	चनना, पाना।
१३५२	आ.	व.	गद	गद	स.	कदना।
१३५३	आ.	व.	गद	गद	स.	भारना।
१३५४	आ.	व.	गद	गद	स.	आगी दे देना, स्वाद देना।
१३५५	आ.	व.	गद	गद	स.	नोव धारी देना।
१३५६	आ.	व.	गद	गद	स.	गारना।
१३५७	आ.	व.	गद	गद	स.	पदना, बिलार करना।
१३५८	आ.	व.	गद	गद	स.	गुंकारना, प्रत्यक्ष करना।

नम्बर	गण	पदे, अक्षर प्रातिपदिक पदः, उभयपदः	धनु	मूल	मकर्मक अकर्मक	कार्य
१३२५	तु०	उ०	अय	अय	अ०	नताकनद्वेना।
१३२६	म्वा०	जा०	अयि	अय	अ०	नताकनद्वेना।
१३२७	म्वा०	प०	अद्	अद्	अ०	चलना।
१३२८	तु०	उ०	अद्	अद्	अ०	कहना।
१३२९	म्वा०	उ०	अप्	अप्	अ०	गापदेना।
१३३०	म्वा०	प०	अव	अव	अ०	चलना।
१३३१	म्वा०	जा०	अल्भ	अल्भ	अ०	कहना।
१३३२	तु०	उ०	अद्भ	अद्भ	अ०	चलना।
१३३३	तु०	उ०	अम	अम	अ०	निगानादेखना।
१३३४	दि०	प०	अमु	अम	अ०	तपकरागादिहोना।
१३३५	दि०	प०	अमु	अम	अ०	तपकरना।
१३३६	म्वा०	प०	अमो	अम	अ०	देखना।
१३३७	म्वा०	प०	अर्व	अर्व	अ०	चलना, माणा।
१३३८	तु०	उ०	अर्व	अर्व	अ०	चलना।

क्र	गण	पदः धात्वणि जानिने प्र. गाम् पठः उपपपठः	धातु	रूप	गकर्मक लृकर्मक	अर्थ
११६	आ०	आ०	अन	अन	स०	चनना, फटा करना।
११७	आ०	प०	खन	खन	रा०	जननी चनना।
११८	आ०	प०	खन	खन	स०	जननी चनना।
११९	आ०	प०	खन	खन	स०	जीदरा फटना।
१२०	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	गतिद्वेना।
१२१	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	चनना, पाना।
१२२	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	कृदना।
१२३	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१२४	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१२५	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१२६	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१२७	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१२८	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१२९	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१३०	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१३१	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।
१३२	आ०	प०	गहन	गहन	रा०	भारना।

गण

धनु

हि

क

अथ

१	तु०	उ०	अथि	अथि	स०
१७२	आ०	आ०	शद	शद	स०
१	आ०	प०	शद	शद	स०
१७४	तु०	उ०	शद	शद	स०
१७५	आ०	तु०	शद	शद	स०
१७६	आ०	प०	शद	शद	स०
१७७	आ०	आ०	शद	शद	स०
१७८	तु०	उ०	शद	शद	स०
१७९	तु०	उ०	शद	शद	स०
१८०	दि०	प०	शद	शद	स०
१८१	दि०	प०	शद	शद	स०
१८२	आ०	प०	शद	शद	स०
१८३	आ०	प०	शद	शद	स०
१८४	तु०	उ०	शद	शद	स०

देना

निगनादेखना

मारना

चलना

क्र	भा	पदः सार्थानि जानिष्येष्टमानि पिः उपलप्यते	धातु	कृत्	गकर्मक लकर्मक	अर्थ
१३६	भा.	आ.	गन	खल	स.	चनना, फटा करना।
१३७	भा.	प.	खल	खल	स.	जलटी चनना।
१३८	भा.	प.	खल	खल	स.	जनरी चनना।
१३९	भा.	प.	गद	गद	स.	मीदरा करना।
१४०	भा.	प.	गद	गद	स.	गक्ति देना।
१४१	भा.	प.	गव	गव	स.	चलना, पाना।
१४२	भा.	प.	गव	गव	स.	कूटना।
१४३	भा.	प.	गव	गव	स.	मारना।
१४४	भा.	प.	यस	यस	स.	पानी बंद देना, स्वाद हाना।
१४५	भा.	प.	यस	यस	स.	नोदधारी देना।
१४६	भा.	प.	यस	यस	स.	मारना।
१४७	भा.	प.	यस	यस	स.	पकाना, चिन्न कर देना।
१४८	भा.	प.	यस	यस	स.	यस का स्वाद खाना।

नम्बर	नाग	परः प्रथान् शान्तिपदार्थान् परः इमपदार्थान्	यतु	मूलकम्	मकम्पिका पदार्थकम्	अर्थ
१३४०	शः	शः	शीर्	शी	शः	साता।
१३४१	काः	उः	शीर्	शी	मः	पकाना।
१३४२	भाः	शाः	शीम्	शीम्	सः	कदना।
१३४३	भाः	कुः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३४४	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३४५	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३४६	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३४७	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३४८	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३४९	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५०	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५१	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५२	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५३	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५४	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५५	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५६	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५७	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५८	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३५९	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।
१३६०	भाः	फः	शीम्	शीम्	शः	पतगवेमिकममा लगाता।

धात्वरीय

२४५

नम्बर	गण	पठः अथवा शान्तिसंज्ञा पठः अथवा	धातु	कृत्	मकर्मक कृत्	अर्थ
१३६१	दि०	प०	उह	उह	अ०	पाविरहना।
१३६२	भा०	प०	उंघ	उंघ	अ०	दरफला।
१३६३	मु०	उ०	उन	उन	अ०	उहना।
१३६४	मु०	प०	उन	उन	स०	घतना।
१३६५	भा०	प०	उम	उम	अ०	गुरगुरतहना।
१३६६	मु०	प०	उंन	उंन	स०	कहन, मोरना।
१३६७	भा०	आ०	उम	उम	अ०	प्रकाशना।
१३६८	दि०	आ०	उर	उर	अ०	गुहरना।
१३६९	भा०	प०	उयुनिर	उयुत	अ०	भारना, शोभना, शेकना।
१३७०	मु०	उ०	उन	उन	अ०	रपकना।
१३७१	मु०	उ०	उन	उन	अ०	नेलनादेना।
१३७२	दि०	प०	उप	उप	अ०	सुखेनफला, भारन, भाकककना।
१३७३	भा०	प०	उप	उप	अ०	सुखना।
१३७४	मु०	उ०	उप	उप	अ०	मुनना।
१३७५	मु०	उ०	उप	उप	अ०	गालना।
१३७६	मु०	उ०	उप	उप	अ०	भारना, भारना, भारना, भारना।

नम्बर	गाथा	परः स्यात्प्राप्तिः प्राप्तनपदपरमि प्राप्तिः उपपन्नः	धान्य	मूलरूप	सुकर्मरूप प्राप्तिः	शब्द
१८०५	दि०	पा०	शू	शू	स०	मात्स्यप्रभृतिप्रोक्तना।
१८०६	दि०	पा०	शू	शू	स०	मारना, ऐकना।
१८०७	भा०	प०	शू	शू	स०	रोगहोना।
१८०८	भा०	प०	शू	शू	स०	यस्य करना।
१८०९	भा०	प०	शू	शू	स०	बोन्ननप्रोक्तहोना।
१८१०	भा०	उ०	शू	शू	स०	धनस्य होनाप्रोक्तहोना।
१८११	भा०	प०	शू	शू	स०	मारना।
१८१२	भा०	पा०	शू	शू	स०	गोबेदारी करना।
१८१३	भा०	प०	शू	शू	स०	चलना, चरना।
१८१४	भा०	प०	शू	शू	स०	पकाना।

धातुसंग्रह

२६७

नम्बर	भाषा	सं. धातु	धातु	सं. धातु	धातु	अर्थ
१५३	आ.	जा.	देह	देह	क	चलना।
१५६	हि.	प.	जो	जो	म.	महीन करवा डुबना करना।
१५७	बु.	उ.	जो	जो	ध.	घराना।
१५८	आ.	जा.	गोक	गोक	ध.	यकृत होना।
१५९	आ.	प.	मोक	मोक	क.	पर्ण करना, चलना।
१६०	आ.	प.	गो	गो	ध.	संग्रह होना।
१६१	आ.	प.	शेह	शेह	क.	रचना करना।
१६२	आ.	प.	घंघ	घंघ	क.	बांधना।
१६३	आ.	प.	शंघ	शंघ	क.	पल्लोना।
१६४	आ.	प.	संघ	संघ	क.	सार मानना।
१६५	आ.	प.	शंसु	शंसु	क.	नारीक करना।
१६६	आ.	प.	य	य	क.	चलना।
१६७	आ.	प.	यक	यक	क.	चलना।

नम्बर	गण	पद-संज्ञान आत्मनपद-संज्ञान पद-उभयपद-	धानु	सिद्धि	सकर्मिक अकर्मिक	अर्थ
१०२६	म्वा०	प०	चगे	सग	स०	छाना।
१०२७	स्वा०	प०	पध	सध	स०	मारना।
१०२८	भा०	स्वा०	पच	सच	स०	सींदनजादेदारीकरना।
१०२९	म्वा०	उ०	पच्	सच्	स०	संबन्धकरना।
१०३०	म्वा०	प०	पज्ज	सज्ज	स०	चलना।
१०३१	म्वा०	प०	पद्	सद्	स०	वांदना।
१०३२	जु०	उ०	पद	सद	स०	शरीरहाना।
१०३३	म्वा०	प०	पण	सण	म०	मार्ना।
१०३४	व०	उ०	पणु	सणु	स०	चित्रकरना।
१०३५	जु०	उ०	पद	सदं	स०	दानदेना।
१०३६	जु०	प०	पद	सदं	म०	चावना।
१०३७	म्वा०	प०	पद	सदं	म०	संशयकरना।
१०३८	जु०	प०	पद	सदं	म०	स्वास्तेना।
१०३९	जु०	प०	पद	सदं	म०	विशदाना।
१०४०	म्वा०	प०	पप्	सप्	म०	संदन्धकरना।
१०४१	म्वा०	प०	पम	सम	म०	कपडना।

क्र.	गण	पद. अक्षर. अक्षर. अक्षर. अक्षर. अक्षर.	भाव	संज्ञा	संज्ञा	संज्ञा
७०	भा.	प.	पत्र	सर्ज	स.	यदागनाद्रुत्कला।
७१	भा.	प.	पद	सर्ज	स.	अपग्रहोना।
७२	भा.	प.	पर्व	सर्व	स.	चलनाद्रुत्कला।
७३	भा.	प.	पत्र	सम	स.	चलना।
७४	भा.	प.	पत्र	सर्ज	स.	वांता चलनाद्रुत्कला।
७५	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	सेना।
७६	स.	प.	पत्र	सर्ज	स.	निपसदेना।
७७	हि.	प.	पत्र	सर्ज	स.	सर्जना, शम रपाट।
७८	भा.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
७९	हि.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८०	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८१	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८२	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८३	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८४	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८५	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८६	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८७	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८८	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
८९	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।
९०	हु.	प.	पत्र	सर्ज	स.	अपजाना।

नम्बर	गण	पदः प्रथितः अन्तिमः प्रथितः प्रथितः प्रथितः	धातु	सुल्ल	प्रकर्मिकः प्रकर्मिकः	अर्थ
१८७३	आ०	प०	येत्तु	सेत्त	स०	चलना, जालना।
१८७४	आ०	प०	ये	से	अ०	नाशहोना।
१८७५	दि०	प०	पो	सो	प्र०	नाशहोना।
१८७६	आ०	प०	पंग	संग	स०	नाशकत्वात्, सङ्ग कर्त्तव्यः।
१८७७	आ०	प०	पंन	मंन	स०	चलना।
१८७८	आ०	प्रा०	पंज	म्वज	स०	एकं भूम्भिलान्तरात् कर्मिलना।
१८७९	आ०	प०	पंन	संन	स०	सङ्ग कर्त्तव्यः।
१८८०	तु०	उ०	पंग	मंग	म०	वाङ्मयकत्वात्।
१८८१	आ०	प०	टक	मक	म०	अनधिकभाषा।
१८८२	आ०	प०	टमे	मम	म०	द्विभा।
१८८३	आ०	प०	टण	मण	म०	शिकर्त्तव्यः।
१८८४	आ०	प०	टन	मन	म०	शालना।

नम्बर	धातु	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय
१०००	आ०	आ०	हमि	मि	स०	प्राप्तिना।
१००१	आ०	प०	ह्यु	स्य	म०	माहना।
१००२	आ०	प०	ह्यु	संम	म०	नारना।
१००३	आ०	प०	ह्यु	सत	ल०	नगर में रहना।
१००४	उ०	प०	ह्यु	सह	स०	चलना।
१००५	आ०	प०	ह्यु	सह	ल०	निकलना, बाहर होना।
१००६	आ०	ल०	ह्यु	सिप	ल०	स्फार होना।
१००७	आ०	ल०	ह्यु	निर	ल०	टपकना।
१००८	हि०	प०	ह्यु	रिब	स०	उपमे जल खेचना।
१००९	हि०	प०	ह्यु	रिम	ल०	बढ़ना।
१०१०	आ०	ल०	ह्यु	लीन	ल०	नारना।
१०११	आ०	ल०	ह्यु	सर	ल०	बुरा होना।
१०१२	आ०	ल०	ह्यु	व	ल०	नष्ट करना।
१०१३	आ०	ल०	ह्यु	वुम	ल०	पामना।

नम्बर	गण	प्र. शयार प्रानेनपवपरि पदभयप्र.	धातु	प्र मूल	प्रकर्मक प्रकर्मक	अर्थ
१६३०	भा.	उ०	सग	सग	स०	पिडादिनाकुहना।
१६३१	जु०	आ	सग	सग	स०	लिना मिलना।
१६३२	दि०	प०	स्रसु	स्रस	स०	खानाप्रसूतेननेकेक
			सा			
१६३३	अ०	प०	स्ना	स्ना	अ०	गोचदोना, दूद दोना।
१६३४	स्वा०	प०	साध	साध	अ०	सिद्ध होना।
१६३५	जु०	उ०	साम	साम	अ०	शास्त्रिदोना, गृह म होना।
१६३६	भा०	आ०	स्फायी	स्फाय	अ०	पढ़ना।
१६३७	जु०	उ०	सार	सार	अ०	नाना कन होना।
			सि			
१६३८	भा०	आ०	स्मिदु	स्मि	अ०	पोड़ा हटना।
१६३९	जु०	उ०	स्मिदु	स्मिदु	स०	मारना।
१६४०	जु०	उ०	स्फिट	स्फिट	अ०	अनादकलादीसीकन
१६४१	दि०	प०	स्त्रिवु	स्त्रिव	स०	चलना, शोपना।

नम्बर	गण	परः प्रथमः धात्वर्णवर्णः	धातु	प्रत्ययः	मकर्मक प्रत्ययः	अर्थ
१५७२	आ.	प.	खिभ	खिभ	स.	मारना।
१५७३	खि.	प.	खिह	खिह	प्र.	रोस्ती करना।
१५७४	आ.	प्र.	सी	सीक	स.	सींदना।
१५७५	आ.	प.	सीत	सीन	प्र.	छोटारोना।
१५७६	प.	प.	सु	सु	प्र.	उपकना।
१५७७	प्र.	प.	सु	सु	प्र.	खनना।
१५७८	कं.	प.	मुख	मुख	प्र.	मुखरोना।
१५७९	कं.	प्र.	रुक्	रुक्	स.	पारना।
१५८०	प्र.	प्र.	रुह	रुह	प्र.	कृतना।
१५८१	प्र.	प्र.	रुह	रुह	प्र.	नेड फोकनाहंसना।
१५८२	प्र.	प्र.	रुह	रुह	प्र.	खनादर करना।
१५८३	प्र.	प.	रुह	रुह	प्र.	खानादरी करना।

नम्बर	गण	प्रथम पद	द्वितीय पद	तृतीय पद	चतुर्थ पद	पञ्चम पद	षष्ठ पद	प्रत्यय
१८५४	तु०	उ०	सुदि	सुद	सु०	इसना, फूलना।		
१८५५	भ्या०	या०	सुदि	सुद	सु०	कूदिके चलना।		
१८५६	भ्या०	प०	सुदि	सुद	सु०	सुंदर होना।		
१८५७	भ्या०	प०						
१८५८	तु०	प०						
१८५९	भ्या०	प०						
१८६०	तु०	प०	सुल	सुल	सु०	बुझ कना।		
१८६१	दि०	प०	सुद	सुद	सु०	उगिना, कैकरना।		
१८६२	तु०	उ०	सु	सु	सु०	चुगुली करना।		
१८६३	तु०	उ०	सु	सु	सु०	लपटना।		
१८६४	भ्या०	प०	सुद	सुद	सु०	दुशमनी करना, उनहर करना।		
१८६५	तु०	उ०	सुल	सुल	सु०	पढ़ना, मोटा होना।		

धात्वर्थव

१५८

नम्बर	गण	प्र. अर्थात् धातुन पदमात्र पदः उभयपद	धातु	पुल्लङ्ग	गकर्मिक कर्मिक	पर्व
१८४	कृ.	कृ.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१८५	भा.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१८६	भा.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१८७	सा.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१८८	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१८९	सा.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९०	भा.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९१	भा.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९२	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९३	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९४	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९५	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९६	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९७	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९८	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
१९९	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।
२००	कृ.	प.	कृ	कृ	कृ.	चलना।

नम्बर	भाषा	पर. शब्दादि काल्पनिकस्य पदस्य अर्थः	धातु	मूलधातु	सकर्मक सकर्मक	अर्थ
१६०१	भा.	पा.	से	सेक	स.	चनना।
१६०२	बु.	ठ.	सेन	सेन	स.	चोरीकरना।
१६०३	बु.	उ.	सेप	सेप	स.	फिकना।
१६०४	भा.	प.	सेस	सेस	स.	बोलना प्रकट होना।
१६०५	भा.	प.	सेख	सेख	स.	लपटना।
१६०६	बु.	उ.	सेम	सेम	स.	दृग्गमनी मानना।
१६०७	बु.	उ.	सेकन	सेकन	स.	समने करना।
१६०८	भा.	पा.	सेच	सेच	स.	टपकना।
१६०९	भा.	प.	सेप	सेप	स.	जनना।
१६१०	बु.	उ.	सेम	सेम	स.	संयोजकना।
१६११	भा.	प.	सेम	सेम	स.	रोकना।
१६१२	बु.	उ.	सेम	सेम	स.	पुडुकरना।

धात्वर्णव

१६२

संख्या	भाषा	पदः लभ्यते	धातुः	सुलभः	मकर्मकः	प्रकर्मिकः	अर्थः
१६६०	भ्या०	आ०	सुसु	सुस	अ०	नविगिराणा	
१६६१	भ्या०	प०	ह	ह			
१६६२	भ्या०	प०	हल्लग	हल्लग	स०	चलना, द्यना	
१६६३	भ्या०	प०	इग	इग	स०	छाना	
१६६४	भ्या०	फ०	हृ	हृ	अ०	प्रकाशदोना	
१६६५	भ्या०	प०	हृ	हृ	अ०	नांषना, मनुष्येना, धीर	
१६६६	भ्या०	आ०	हृ	हृ	स०	पुरीष छोड़ना	
१६६७	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	भारना, चलना	
१६६८	भ्या०	उ०	हृ	हृ	स०	कथना	
१६६९	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७०	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७१	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७२	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७३	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७४	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७५	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७६	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७७	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७८	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६७९	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८०	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८१	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८२	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८३	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८४	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८५	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८६	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८७	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८८	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६८९	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९०	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९१	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९२	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९३	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९४	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९५	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९६	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९७	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९८	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१६९९	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१७००	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१७०१	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	
१७०२	भ्या०	प०	हृ	हृ	स०	चलना	

नम्बर	गाण	प्रत्यय जालि सप्तमि पदोच्चारण	धनु	ह्रि	ह्रि कृत् कृत् कृत्	पर्यं
२००३	म्हा०	प०	इम	इम	म०	पानना, इगदना।
२००४	म्हा०	प०	इसे	इम	म०	इमना।
२००५	ल०	स०	हा	हा	स०	चलना।
२००६	म्हा०	पा०	इद	इद	प०	नसकाकदना।
२००७	म्हा०	पा०	इनादी	इद	प०	सुखदोना।
२००८	खा०	प०	हि	हि	म०	चलना, वदना।
२००९	म्हा०	उ०	हिक	हिक	स०	नसकाकदना।
२०१०	क्या०	प०	हिन	हिन	म०	भोरिके निकलना।
२०११	म्हा०	पा०	हिडि	हिडि	स०	चलना, इगमानकना।
२०१२	म्हा०	प०	हिवि	हिवि	म०	लुगदोना, असचोना।
२०१३	नु०	प०	हित	हित	म०	अभिनारकना, अना।
२०१४	कु०	कु०	हिति	हित	स०	माना।

धात्वर्णव

१६३

संख्या	गण	पद-प्रकार आत्मनिष्ठ-नाम्नि पद-उभयपक्ष.	धतु	मूलरूप	मकर्मकस्य प्रकर्मक	वचन
१०१५	अ.	५.	अ	अ	अ.	राफाना, ननाना।
१०१६	आ.	५.	आ	आ	अ.	शरमाना।
१०१७	इ.	५.	इ	इ	अ.	शरदेशक, निवद्वेष्टमकान्
१०१८	ई.	५.	ई	ई	अ.	चरुना।
१०१९	उ.	५.	उ	उ	अ.	विलेना, शाधिषारना, ममराना।
१०२०	ऊ.	५.	ऊ	ऊ	अ.	विल्लना।
१०२१	अ.	५.	अ	अ	अ.	मुष्टना, पारना।
१०२२	आ.	५.	आ	आ	अ.	भल्लन, मारना, छल्लना।
१०२३	इ.	५.	इ	इ	अ.	लोपोत्थनाः
१०२४	ई.	५.	ई	ई	अ.	वचन।

	गण	प्रत्यय	धातु	लृट्	लृट्	लृट्
२०२५	जु०	प०	ह	ह	स.	
२०२६	कं	प०	ह	ह	अ.	
२०२७	भा०	प०	ह्य	ह्य	अ.	कविलनाकरना।
२०२८	कं	प०	हणीव्	हणी	अ.	नारजुहोना।
२०२९	भा०	उ०	हज्	ह	स.	हरिसेनाप्रेतेना।
२०३०	दि०	प०	ह्य	ह्य	अ.	संतुष्टेना।
२०३१	भा०	प०	ह्यु	ह्य	स.	कूठकटना।
२०३२	भा०	उ०	ह्वे	ह्वे	स.	सद्वाकनप्रवृत्तेना।
२०३३	भा०	आ०	हेट्	हेट्	स.	तेवेतना।
२०३४	भा०	आ०	हेट्	हेट्	अ.स.	
२०३५	भा०	उ०	हेवु	हेवु	स.	करना।
२०३६	भा०	आ०	हेव	हेव	स.	चलना।
२०३७	भा०	आ०	हेव	हेव	स.	चलना।

धातुसूची

क्रमांक	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
२०३८	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०३९	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४०	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४१	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४२	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४३	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४४	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४५	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४६	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४७	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४८	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.

नम्बर	गण	पदः शान्तनयः पदः उविवः	धातु	ह्रस्वः	सकृत् सकृत्	अर्थ
२०५०	भ्याः	पः	ह्मायी	ह्माय	स०	कपाना।
२०५१	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	अ०	नाराद्रेणा।
२०५२	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	माराणा।
२०५३	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	अ०	दिकना, जन्ना।
२०५४	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	माराणा।
२०५५	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	चलना।
२०५६	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	पठना, भेजना।
२०५७	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	मुखसेजलडारणा।
२०५८	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	माराणा।
२०५९	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	धीरि बोलना।
२०६०	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	अ०	मस्तहोना।
२०६१	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	स०	मुखसेजलछेदना।
२०६२	भ्याः	पः	क्षि	क्षि	अ०	छोराहोना।

धात्वर्थेव

२३७

नमः	गण	पद	धातु	मूलरूप	पद	पद	पर्य
१०६१	गण	पद	सीप	सीप	स.	मागना।	
१०६२	गण	पद	सु	सु	स.	सुधिवहोनसुक्लगत	
१०६३	गण	पद	सु	सु	स.	नीदशकानपेनाकस्ता	
१०६४	गण	पद	सु	सु	स.	पीसरा।	
१०६५	गण	पद	सु	सु	स.	पुंस्वलगना।	
१०६६	गण	पद	सु	सु	स.	चलना।	
१०६७	गण	पद	सु	सु	स.	पुनःपुनःपुनःपुनः	
१०६८	गण	पद	सु	सु	स.	हीदशकानाकस्ता	
१०६९	गण	पद	सु	सु	स.	मागना।	
१०७०	गण	पद	सु	सु	स.	काटना।	
१०७१	गण	पद	सु	सु	स.	मुखसेजलधारना।	
१०७२	गण	पद	सु	सु	स.	चनरा।	

२६८

धातुगीत

नम्बर गण	पद प्रयोग शालिपदमात्र पदप्रयोगपद	धातु	मूलरूप	प्रकृतमूलका प्रकृतमूलक	पद
२०७२ म्या०	प०	हो	हो	१०	नागहान्त
२०७३ चु०	उ०	हो	हो	२०	फिकना
		इति			

